धनबाद, मंगलवार
02 जून 2026
वर्ष : 03 अंक : 242
पृष्ठ : 08
मूल्य: 3 /-
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

हिन्दी दैनिक समाचार
ट्रूथ पथ

ब्रीफ न्यूज

झारखंड मंत्रालय में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से मिलीं केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी

रांची, (एजेंसी) : झारखंड मंत्रालय में सोमवार को मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने शिष्टाचार मुलाकात की। यह भेंट मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित उनके कार्यालय कक्ष में हुई।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन और केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी की इस मुलाकात के दौरान दोनों पक्षों ने सौहार्दपूर्ण वातावरण में एक-दूसरे का अभिवादन किया। मुलाकात के बाद केंद्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, मुलाकात के दौरान राज्य के विकास, महिला एवं बाल कल्याण से जुड़ी योजनाओं तथा जनहित के विभिन्न मुद्दों पर भी सामान्य चर्चा हुई। हालांकि, इस संबंध में कोई आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की गई है और न ही किसी विशेष विषय पर विस्तृत बयान जारी किया गया है।

राष्ट्रपति मुर्मु ने म्यांमार के राष्ट्रपति यू मिन का किया स्वागत

नई दिल्ली, (एजेंसी) : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में म्यांमार के राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग का स्वागत किया।

राष्ट्रपति मुर्मु ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, ह्लभारत-म्यांमार के बीच की साझा बौद्ध विरासत सदियों पुराने आपसी संबंधों को एक अनोखी गर्मजोशी प्रदान करते हैं। म्यांमार दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए भारत का प्रवेश द्वार है।" उन्होंने म्यांमार की शांति और सुलह की कोशिशों के लिए भारत के अटूट समर्थन का आश्वासन दिया।

म्यांमार के राष्ट्रपति भारत की यात्रा पर शनिवार को बोधगया पहुंचे थे और बोधगया में महाबोधि मंदिर एवं सुजाता मंदिर के दर्शन करके वह उसी शाम नयी दिल्ली आये थे। शनिवार को शाम ही विदेश मंत्री एस जयशंकर ने उनसे भेंट की थी। रविवार को उन्होंने भारत-म्यांमार बिजनेस फोरम की बैठक में शिरकत की।

27 राज्यसभा सीटों और विधान परिषद चुनावों की अधिसूचना जारी

नई दिल्ली,(एजेंसी) : निर्वाचन आयोग ने 27 राज्यसभा सीटों तथा तीन राज्यों की विधान परिषद सीटों के लिए चुनाव कार्यक्रम घोषित कर दिया है। आयोग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार सभी सीटों के लिए मतदान 18 जून को सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक होगा, जबकि मतगणना उसी दिन शाम 5 बजे से शुरू की जाएगी।निर्वाचन आयोग के कार्यक्रम के मुताबिक नामांकन प्रक्रिया 1 जून से शुरू हो चुकी है। उम्मीदवार 8 जून तक अपने नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे। नामांकन पत्रों की जांच 9 जून को होगी, जबकि उम्मीदवार 11 जून तक अपना नाम वापस ले सकेंगे। तय कार्यक्रम अनुसार मतदान 18 जून सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक होगा और इसी दिन शाम बजे से मतगणना की जाएगी।

पश्चिम बंगाल में मंत्रिमंडल का विस्तार, 35 नये मंत्री शामिल

कोलकाता, (एजेंसी) : पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी ने सोमवार को अपनी मंत्रिपरिषद का विस्तार कर 35 नये मंत्रियों को शामिल किया है। इसके साथ ही मंत्रिपरिषद में मुख्यमंत्री समेत मंत्रियों की कुल संख्या 41 हो गयी है।

विधानसभा चुनाव में पहली बार भारी बहुमत से जीत हासिल करने के बाद भारतीय जनता पार्टी ने नौ मई को राज्य में सरकार गठित की थी। उस दिन श्री अधिकारी ने यहां ब्रिगेड परेड ग्राउंड में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। उनके साथ पांच अन्य मंत्रियों श्री दिलीप घोष, सुश्री अग्निमित्रा पॉल, श्री अशोक कीर्तनिया, श्री खुदीराम टुडू और श्री निसिथ प्रमाणिक ने भी शपथ ली थी। राज्यपाल आर. एन. रवि ने आज पूर्वाह्न 35 नये मंत्रियों को लोक भवन में आयोजित समारोह में पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी। इनमें 13 कैबिनेट मंत्री, 19 राज्य मंत्री और तीन स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री बनाये गये हैं।

शपथ लेने वालों में श्री तापस रॉय (मानिकतला), श्री दीपक बर्मन (फालाकाटा), श्री जगन्नाथ चट्टोपाध्याय (सूरी), श्री शरद्वत मुखोपाध्याय (राजारहाट-न्यू टाउन), श्री स्वपन दासगुप्ता (रासबिहारी), श्री सजल घोष (बारानगर), श्री शंकर घोष (सिलीगुड़ी), श्री अर्जुन सिंह (नोआपारा), श्री अशोक डिंडा (मयना), श्री इंद्रनील खान (बेहाला पश्चिम), सुश्री मालती रावा रॉय (तूफानगंज) और श्री राजेश महतो (गोपीबल्लभपुर) के साथ कई अन्य विधायक शामिल हैं। औसग्राम की सुश्री कलिता माझी और कांदी की सुश्री गार्गी घोष दास ने भी मंत्री पद की शपथ ली।

कैबिनेट मंत्रियों में श्री दीपक बर्मन, श्री तापस रॉय, श्री शंकर घोष, श्री मनोज उरांव, श्री अर्जुन सिंह, श्री गौरीशंकर घोष, श्री जगन्नाथ चट्टोपाध्याय, श्री स्वपन दासगुप्ता, श्री कल्याण चक्रवर्ती, श्री दूधकुमार मंडल, श्री अजय पोद्दार ,श्री सजल घोष और श्री अरूप कुमार दास शामिल हैं। श्री इंद्रनील खान, सुश्री मालती रावा रॉय और राजेश महतो को स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री का दर्जा दिया गया है।

म्यांमार का भारत के सुरक्षा हितों की रक्षा का भरोसा, भारत ने दोहराया म्यांमार की संप्रभुता को समर्थन

नई दिल्ली,(एजेंसी) : म्यांमार ने भारत को भरोसा दिलाया कि उसकी भूमि का इस्तेमाल उसके सुरक्षा हितों के विरुद्ध नहीं होने दिया जाएगा। भारत ने भी म्यांमार की संप्रभुता एवं प्रादेशिक अखंडता के प्रति अपना समर्थन दोहराया। दोनों देशों ने परस्पर व्यापार, बुनियादी ढांचे के निर्माण तथा दुर्लभ खनिजों के उत्खनन एवं प्रसंस्करण की दिशा में सहयोग बढ़ाने के बारे में भी अहम चर्चा की।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और म्यांमार के राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग के बीच यहां हैदराबाद हाउस में सोमवार को हुई द्विपक्षीय बैठक के बारे में विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, रप्रधानमंत्री मोदी के निमंत्रण पर म्यांमार के राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग 30 मई से 3 जून तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर हैं। भारत के लिए म्यांमार एक महत्वपूर्ण देश है।अप्रैल 2026 में म्यांमार के राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार संभालने के बाद राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग की यह पहली विदेश यात्रा है जिसका गंतव्य भारत है। वह मूल रूप से अंतरराष्ट्रीय बिग कैट अलायंस शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए आने वाले थे, जिसे अपरिहार्य कारणों से स्थगित करना पड़ा। इसलिए अवसर का उपयोग हमारे द्विपक्षीय संबंधों पर

चर्चा के लिए किया गया।विक्रम मिस्री ने कहा, ह्लम्यांमार एक पड़ोसी है जिस-के साथ भारत 1,643 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है। यह भारत की पड़ोसी प्रथम, एक्ट ईस्ट, महासागर और हिन्द प्रशांत नीतियों के संगम पर स्थित है। म्यांमार के राष्ट्रपति के साथ एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आया है जिसमें पांच कैबिनेट मंत्री, तीन उप मंत्री और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। उनके साथ म्यांमार-भारत मैत्री संघ के सदस्यों के साथ-साथ एक बड़ा व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भी आया है। जैसा कि आपने देखा होगा, दिल्ली पहुंचने से पहले म्यांमार के राष्ट्रपति बोधगया में रुके, जहां उन्होंने प्रार्थना की और महाबोधि मंदिर, महाबोधि धम्मैखा मठ और सुजाता मंदिर का दौरा किया। यह यात्रा हमारे दोनों देशों के बीच गहरे बौद्ध और धार्मिक संबंधों के साथ-साथ लोगों के बीच मजबूत संबंधों को दशार्ती है।"

उन्होंने कहा कि म्यांमार के राष्ट्रपति ने रविवार को भारत-म्यांमार बिजनेस कॉन्क्लेव में भी भाग लिया, जो म्यांमार की ओर से संयुक्त रूप से म्यांमार फे-डरेशन ऑफ चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा और भारतीय उद्योग परिसंघ और भारतीय चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था। सम्मेलन ने दोनों पक्षों को व्यापार और वाणिज्य पर विचारों का आदान-प्रदान करने का अवसर प्रदान किया।

श्रद्धालुओं को सुरक्षित और सुगम जलार्पण कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : मंत्री

देवघर, (एजेंसी) : आगामी श्रावणी मेला 2026 के सफल संचालन को लेकर राज्य सरकार तैयारियों में जुटी हुई है। इसी क्रम में सोमवार को पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू देवघर पहुंचे और स्थानीय सर्किट हाउस में देवघर और दुमका जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।बैठक में देवघर विधायक सुरेश पासवान, सारठ विधायक उदय शंकर सिंह, जिला परिषद अध्यक्ष किरण कुमारी सहित दोनों जिलों के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी और विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक के दौरान मंत्री ने श्रावणी मेला की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया।

पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि श्रावणी मेला के दौरान देवघर आने वाले श्रद्धालुओं को सु-रक्षित और सुगम जलार्पण कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए श्रद्धालुओं के ठहराव, स्वास्थ्य सेवाओं, शौचालय, पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

मंत्री ने बताया कि पिछली समीक्षा बैठक के आधार पर एक विस्तृत रोडमैप तैयार किया गया है। सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ टेंडर प्रक्रिया और अन्य आवश्यक कार्य समय पर पूरा करने के निर्देश दिए गए थे। उन्होंने संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि लगभग 90 प्रतिशत प्रक्रियाएं पूरी हो चुकी हैं और अब केवल कुछ औपचारिक अनुपालन (कम्प्लायंस) संबंधी कार्य शेष हैं।

उन्होंने कहा कि बैठक में विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय और जिम्मेदारियों को लेकर चर्चा की गई। पिछले वर्ष देवघर-बासुकीनाथ मार्ग पर हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए विशेष सतर्कता बरती जा रही है। राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) और रेलवे विभाग के साथ भी समन्वय स्थापित किया गया है और संबंधित कार्यों को समय पर पूरा करने का आश्वासन मिला है।मंत्री ने बताया कि देवघर और दुमका जिला प्रशासन की ओर से मेले के लिए आवश्यक संसाधनों एवं बजट की मांग संबंधी सूची प्राप्त हो चुकी है। रांची में संबंधित विभागों के साथ विचार-विमर्श कर समय पर राशि आवंटित करने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। बैठक में झामुमो जिला अध्यक्ष संजय शर्मा, सुरेश साह, नीलम देवी, अजय नारायण मिश्रा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मी भी उपस्थित थे।

गाय राष्ट्र माता है, उसे घोषित करने की कोई आवश्यकता ही नहीं: योगी आदित्यनाथ

बिजनौर, (एजेंसी) : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग को लेकर चर्चा हो रही है, लेकिन मां और संतान के रिश्ते को किसी घोषणा की आवश्यकता नहीं होती। भारतीय संस्कृति में गाय को माता का दर्जा दिया गया है और वह आस्था तथा संस्कारों का अभिन्न हिस्सा है। उन्होंने कहा गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग करने वालों की बुद्धि भ्रष्ट हो गयी है।मुख्यमंत्री योगी सोमवार को बिजनौर जनपद के आलमपुर गांवड़ी में जमीन का अधिकार देने के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।इस मौके पर उन्होंने पाकिस्तान से विस्थापित 1645 परिवारों तथा 50 पूर्व सैनिकों एवं लीजधारकों को भूमिधरी अधिकार पत्र प्रदान किए। भूमिधरी अधिकार मिलने से लाभार्थियों को भूमि पर वैधानिक स्वामित्व प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार समाज के वंचित, शोषित और जरूरतमंद वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है तथा प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना सरकार

की प्राथमिकता है। इस मौके पर उन्होंने जिले को विकास की सौगात देते हुए करोडों रुपए की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया।उन्होंने गौ संरक्षण, कानून व्यवस्था, विकास योजनाओं और शरणार्थी परिवारों के मुद्दों पर सीधे जनता से संवाद किया। उन्होंने कहा कि वह 4 वर्ष पहले यहां के पूर्व सांसद सर्वेश कुमार के साथ सभा की थी, लेकिन आज वे हमारे बीच नहीं हैं, पर उनके पुत्र और यहां के विधायक सुशांत सिंह जनता की सेवा कर रहे हैं। इस क्षेत्र में हमने पाकिस्तान से आए विस्थापितों को उनके जमीनी अधिकार सौंपें हैं, जो 1947–48 में कट्टरपंथी पाकिस्तानियों ने उनकी संपत्ति पर कब्जा कर लिया गया था, उन्हीं विस्थापितों को आज कृषि भूमिका मालिकाना हक प्रधान किया गया है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जो विस्थापित शेष बचे हैं, उनको अगले चरण में जमीन का मालिकाना हक देने का काम भी करेंगे मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के कुछ मुल्ला व मौलवी गौ माता को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग कर रहे हैं। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि गाय हमारी माता है। जन्म जन्मान्तर का नाता है। मां पुत्र के बीच में कुछ घोषणा की आवश्यकता होती है क्या? तुम्हारी सोच ही पशुवत है, जो तुम माता को पशु कहते हो। गाय हमारी माता है। यह हमारे संस्कार में है। बकरीद पर हमने खुद देखा की बहुत से बधाई देने में गौ माता का चित्र लगा रहे थे। उन्हें जानकारी होनी चाहिए कि गौ वध पर क्या सजा हो सकती है। मुख्यमंत्री ने गाय तो स्वघोषित राष्ट्र माता है, उसे घोषित करने की कोई आवश्यकता ही नहीं है। इसी प्रकार गंगा भी हमारी माता है। हमारे सारे संस्कार गंगा के सानिध्य में ही संपन्न होते हैं। क्या यह कोई बताने की आवश्यकता है की गंगा हमारी मां है।मुख्यमंत्री ने कट्टरपंथियों को आडे. हाथों लेते हुए कहा कि पाकिस्तान से आए विस्थापितों के बारे में आज तक किसी मौलवी ने कोई भी आवाज नहीं उठाई, जबकि कट्टरपंथियों ने पाकिस्तान में हिन्दुओं की संपत्तियों पर कब्जा किया। यहां हिंदुस्तान में भी वक्फ के नाम पर संपत्ति पर कब्जा किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज से 6 महीने पहले बांग्लादेश में हिंदुओं का कतलेआम किया गया, पर हमारे देश के किसी मौलवी ने कोई आवाज नहीं उठायी। आज बांग्लादेश में हिन्दू 22 से घटकर केवल 7 फीसदी रह गया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में 14 से घटकर मात्र दो प्रतिशत रह गया यह मौलवी कभी भी बांग्लादेश-पाकिस्तान की कोई निंदा नहीं करते।

विद्यार्थियों को एसआईआर और जनगणना के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष कार्यक्रम संचालित किए जाएं : मुख्यमंत्री

रांची, (एजेंसी) : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शिक्षा के क्षेत्र में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से निर्देश दिया है कि विद्यालयों में विशेष कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआ-ईआर) और जनगणना से संबंधित आवश्यक जानकारी दी जाए।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को इन विषयों के प्रति जागरूक कर उन्हें समाज में सूचना के वाहक के रूप में विकसित किया जा सकता है, जिससे वे अपने परिवार एवं समुदाय को भी इन महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं के प्रति जागरूक कर सकें। इसके लिए विद्यालय स्तर पर कार्यशालाएं, जागरूकता सत्र एवं विशेष अभियान संचालित किए जाने पर भी जोर दिया गया।मुख्यमंत्री सोमवार को झारखंड मंत्रालय में अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की समीक्षात्मक बैठक में बोल रहे थे।

बैठक में विभाग की ओर से संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, कार्यक्रमों एवं पहलों की अद्यतन प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान विभागीय अधिकारियों ने योजनाओं के क्रियान्वयन की

वर्तमान स्थिति, प्रमुख उपलब्धियों, चुनौतियों और भावी कार्ययोजना से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। समीक्षा के क्रम में मुख्यमंत्री ने योजनाओं के प्रभावी एवं परिणामोन्मुख संचालन पर विशेष बल देते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी योजनाओं का क्रियान्वयन पारदर्शी, समयबद्ध एवं लक्ष्य-आधारित ढंग से सुनिश्चित किया जाए।

बैठक के दौरान विभाग की ओर से संचालित विभिन्न प्रमुख योजनाओं और कार्यक्रमों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में ई-कल्याण पोर्टल के संचालन एवं उसकी प्रभावशीलता, प्री-मैट्रिक एवं पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजनाओं के अंतर्गत लाभुकों को दी जा रही सहायता, मरांग गोमके पार-देशीय छात्रवृत्ति योजना के माध्यम से विद्यार्थियों को विदेश में उच्च शिक्षा के लिए दी जा रही सुविधाओं, साइकिल वितरण योजना की प्रगति, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत स्वरोजगार को बढ़ावा देने के प्रयासों की चर्चा की गई । इस दौरान योजनाओं की वर्तमान प्रगति, लाभुकों की संख्या, क्रियान्वयन में आ रही चुनौतियों और उनके समाधान के उपायों पर भी विस्तार से समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत लाभान्वित लाभुकों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सीधा संवाद स्थापित किया। इस दौरान उन्होंने लाभुकों से योजना के अंतर्गत प्राप्त ऋण, संचालित व्यवसाय, उससे हो रही आय, रोजगार सृजन की स्थिति और बैंकिंग प्रक्रियाओं से संबंधित अनुभवों की विस्तृत जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से यह जानने का प्रयास किया कि लाभुकों को व्यवसाय संचालन में किसी प्रकार की कठिनाई तो नहीं हो रही है और बैंकिंग संस्थानों की ओर से उन्हें समुचित सहयोग मिल रहा है या नहीं।मुख्यमंत्री ने बैठक के दौरान गढ़वा, देवघर और साहिबगंज जिलों में निर्मित अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालयों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने इन विद्यालयों में उपलब्ध शैक्षणिक संसाधनों, आधारभूत संरचना, छात्र-छात्राओं की नामांकन स्थिति और संचालन व्यवस्था की विस्तृत जानकारी प्राप्त की और निर्देश दिया कि इन संस्थानों का संचालन उच्च गुणवत्ता के साथ सुनिश्चित किया जाए, ताकि विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध हो सके।

फर्जी हस्ताक्षर मामले में टीएमसी का बड़ा एक्शन: दो विधायक निलंबित

निलंबित विधायक ने अभिषेक बनर्जी पर लगाए गंभीर आरोप

कोलकाता,(एजेंसी) : पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने नेता प्रतिपक्ष के चुनाव से संबंधित प्रस्ताव में फर्जी हस्ताक्षरों के मामले में अपने दो विधायकों, ऋतोब्रत बनर्जी और संदीपन साहा को पार्टी से निलंबित किया है। यह फैसला प्रस्ताव में गड़बड़ी मिलने के बाद लिया गया है।

बनर्जी उलुबेरिया पूर्व से और साहा एंटाली से टीएमसी के विधायक हैं। इस कार्रवाई के बाद साहा ने पार्टी के भीतर हुई कथित गड़बड़ियों पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि जिन लोगों की बैठक में मौजूदगी नहीं थी, उनके हस्ताक्षर प्रस्ताव में शामिल किए गए थे। उनके अनुसार, यह एक बड़ी गलती है और इस मामले की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए।

इतना ही नहीं निलंबित विधायक साहा ने पूरे विवाद में पार्टी के महासचिव और ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी का नाम घसीटते हुए कहा कि विधायकों की सूची पर उनके हस्ताक्षर थे, जिसमें कई गलतियां थीं। साहा ने कहा कि सूची की जांच और सत्यापन की जिम्मेदारी अभिषेक बनर्जी की थी, जिसमें वे सफल नहीं रहे।

इस बीच, सुवेंदु अधिकारी ने दावा किया था कि टीएमसी विधायक साहा और ऋतोब्रत बनर्जी ने विधानसभा अध्यक्ष से शिकायत की थी कि नेता प्रतिपक्ष के चुनाव से संबंधित टीएमसी के प्रस्ताव में कई अनियमितताएं और गड़बड़ियां थीं। मौजूदा वक्त में बंगाल की राजनीति में उथल-पुथल मची हुई है। हाल ही में अभिषेक बनर्जी पर हमले के ठीक एक दिन बाद टीएमसी नेता कल्याण बनर्जी पर भी हमला हुआ था। इन घटनाओं के बीच यह कार्रवाई हुई है, जिससे पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी काफी गुस्से में हैं।

संक्षिप्त खबरें

बीएयू विद्यार्थियों को 15 हजार मिलेगा इंटर्नशिप स्टाइपेंड, कृषि मंत्री ने कहा,वित्तीय दबाव में प्रभावित नहीं होगा विद्यार्थियों का कौशल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : बीएयू से पशु चिकित्सा शिक्षा की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को इंटर्नशिप स्टाइपेंड अब 15 हजार रुपये कर दिया गया है। पहले विद्यार्थियों को स्टाइपेंड में छह हजार रुपये मिलता था। कॉलेज ऑफ वेटरनरी साइंस एंड एनिमल हसबैंड्री, कांके के 2020 बैच के इंटर्नशिप विद्यार्थियों ने सोमवार को कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की से मिलकर आभार व्यक्त किया। श्रीमती तिर्की ने कहा कि यह कदम पशु चिकित्सा शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्रों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा।इससे विद्यार्थियों को आर्थिक संबल प्राप्त होगा और वे बिना वित्तीय दबाव के अपने व्यावसायिक कौशल एवं व्यावहारिक दक्षता के विकास पर अधिक ध्यान केंद्रित कर सकेंगे।मंत्री श्रीमती तिर्की ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बिरसा कृषि विश्वविद्यालय से संबद्ध शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत किसी भी छात्र की शिक्षा और प्रशिक्षण आर्थिक कारणों से प्रभावित न हो। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है।झारखंड पशुचिकित्सक सेवा संघ के अध्यक्ष डॉ सैमसंज संजु टोप्पो और डॉ शिवानंद काशी के साथ राहुल शर्मा, कैथी तान्या टोप्पो, रिमिल बोदरा, दीपशिखा सुंडी, खुशबू कुमारी एवं रूपेश कुमार यादव ने मंत्री से मुलाकात की।विद्यार्थियों ने कहा कि इंटर्नशिप कार्यक्रम के स्तर को राष्ट्रीय एवं वैश्विक मानकों के अनुरूप विकसित करने की यह पहल पशु चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगी।इससे उन्हें वास्तविक परिस्थितियों में कार्य करने का अनुभव प्राप्त होगा। आधुनिक तकनीकों की जानकारी मिलेगी तथा भविष्य की पेशेवर चुनौतियों का सामना करने के लिए आवश्यक दक्षता विकसित होगी। संघ के सदस्यों ने कहा कि इससे राज्य में पशु चिकित्सा शिक्षा, प्रशिक्षण एवं सेवाओं की गुणवत्ता में व्यापक सुधार होगा तथा भावी पशु चिकित्सकों को बेहतर अवसर और संसाधन उपलब्ध हो सकेंगे।

प्रोजेक्ट मिलाप के तहत गुमशुदा महिला सकुशल बरामद, परिजनों को सौंपा गया

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : सरायकेला-खरसावां जिला पुलिस द्वारा गुमशुदा व्यक्तियों की खोज एवं उनके सुरक्षित पुनर्वास के लिए चलाए जा रहे प्रोजेक्ट मिलाप के तहत एक और महत्वपूर्ण सफलता हासिल हुई है।पुलिस ने खरसावाँ थाना क्षेत्र से लापता हुई महिला को सकुशल बरामद कर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसके परिजनों को सौंप दिया।जानकारी देते हुए थाना प्रभारी गौरव कुमार ने बताया कि दश्मा बोयपाई (30 वर्ष), पति मंगल बोयपाई, निवासी गुडलू पदा विगत 10 मई को बिना किसी को सूचना दिए घर से कहीं चली गई थीं। महिला के अचानक लापता हो जाने से परिवार के सदस्य चिंतित थे।परिजनों द्वारा मामले की सूचना पुलिस को दिए जाने के बाद उसकी तलाश शुरू की गई। पुलिस ने प्रोजेक्ट मिलाप के तहत महिला की खोजबीन शुरू की, इस दौरान तकनीकी शाखा की सहायता से विभिन्न स्तरों पर जांच एवं निगरानी की गई लगातार प्रयासों और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर पुलिस टीम ने महिला का पता लगाकर उसे सकुशल बरामद कर लिया।बरामदगी के बाद महिला का आवश्यक सत्यापन किया गया तथा सभी कानूनी औपचारिकताओं को पूरा किया गया, इसके उपरांत दश्मा बोयपाई को उनके पति मंगल बोयपाई के सुपुर्द कर दिया गया।महिला के सुरक्षित घर लौटने पर परिजनों ने राहत की सांस ली।

बोकारो के चिकित्सकों ने झारखंड सरकार से मांगा मेडिकल प्रोटेक्शन एक्ट

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

बोकारो : पलामू के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ मिथिलेश कुमार के साथ अपराधियों ने मारपीट की।गंभीरावस्था में रिम्स रांची में इलाजरत है। घटना ने बोकारो के चिकित्सकों को भी चिंता में डाल दिया है। आइएमए चास व झासा बोकारो से जुडे चिकित्सकों ने घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। साथ ही राज्य सरकार से मेडिकल प्रोटेक्शन एक्ट को अविलंब लागू करने की मांग की है। ताकि चिकित्सक भयुक्त माहौल में समाज की सेवा लगातार कर सके। आइएमए चास के पूर्व अध्यक्ष डॉ रणधीर कुमार सिंह, पूर्व अध्यक्ष डॉ मीता सिन्हा, पूर्व सचिव डॉ अनुप्रिया पंकज, डॉ बीके पंकज ने कहा कि वर्तमान समय में चिकित्सक समाज भयमुक्त माहौल में काम नहीं कर रहे है। राज्य में चिकित्सकों की संख्या कम है। चिकित्सकों ने कहा कि दिन-रात लोगों की सेवा में जुटे रहते हैं।

चिकित्सक के साथ मारपीट की घटना की जितनी भी निंदा की जाये कम है।आइएमए चास से जुड़े दर्जनों चिकित्सकों ने घटना की निंदा की है। राज्य में गिरते कानून व्यवस्था ने विकास पर प्रश्न चिन्ह खड़ा कर दिया है।राज्य में भयमुक्त माहौल में काम करना भी मुश्किल हो रहा है। घटना में शामिल अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग की गयी।एक्ट की मांग करनेवालों में आइएमए चास व झासा के डॉ एचके मिश्र, डॉ उत्तम कुमार, डॉ सफी नेयाज, डॉ वीरेंद्र कुमार, डॉ पिंकी पाल, डॉ सुजीत पांडेय, डॉ निरूपमा, डॉ अमृता सिंह, डॉ सुजीत परेरा, डॉ निरंजन कुमार, डॉ अनुराग श्रीवास्तव, डॉ मिथिलेश कुमार, डॉ अंजु परेरा, डॉ निवेदिता दत्ता, डॉ अवनिश श्रीवास्तव, डॉ आलोक झा, डॉ विकास कुमार, डॉ एके चौधरी, डॉ रवि शेखर, डॉ विकास कुमार, डॉ आरके मिश्र, डॉ श्रवण कुमार, डॉ कुसुम प्रकाश, डॉ मनोज श्रीवास्तव, डॉ रणवीर सिंह, डॉ पंकज कुमार, डॉ रवि शंकर, डॉ अंबरिश सोनी, डॉ जितेंद्र कुमार, डॉ एलके ठाकुर सहित दर्जनों चिकित्सक शामिल है।

स्कूटी सवार व्यक्ति से चेन छिनतई, पल्सर मे सवार थे अपराधी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

हजारीबाग : शहर में अपराधियों का मनोबल इतना बढ गया है कि दिन दहाडे चेन छिनतई की घटना को अंजाम देकर पुलिस को चुनौती दे रहे है।वहीं पुलिस सीसीटीवी फुटेज की जांच, छापामारी का हवाला देकर लकीरें पीटते रहते है।ऐसा ही घटना सोमवार को दीपूगढा हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के समीप खंडेलवाल भवन के पास हुई।मोटरसाइकिल में सवार अपराधियों ने स्कूटी से अपने घर लौट रहे एक व्यक्ति से चेन की छिनतई कर फरार हो गये। इस संबंध मे को-ऑपरेटिव कॉलोनी गोलंबर चौक निवासी भुक्तभोगी अशोक शाह ने कोर्रा थाना में प्राथमिकी दर्ज करने के लिए आवेदन दिया है। इसके अनुसार सोमवार की सुबह करीब 9.20 बजे करन जूस कॉर्नर से जूस पीकर अपने स्कूटी से घर लौट रहा था।इसी क्रम मे एक मोटरसाइकिल में सवार दो अपराधी पीछे से तेज गति में आया और अशोक शाह के गले से चेन की छिनतई कर फरार हो गये। भुक्तभोगी के अनुसार छिनतई हुई सोने का चेन 20 ग्राम है।दोनों अपराधी पल्सर मोटरसाइकिल मे था। मोटरसाइकिल चला रहे अपराधी हेलमेट पहना हुआ था।जबकि मोटरसाइकिल के पीछे बैठा अपराधी लाल रंग के टी-शर्ट पहने हुआ था।घटना की सूचना मिलते ही कोर्रा पुलिस कई ठिकानो मे छापामारी शुरू कर दिया है।मार्ग मे लगे सीसीटीवी फूटेज को खंगालने मे जुटी है। बाइक सवार अपराधियों की पहचान के लिये तस्वीर सीसीटीवी फूटेज से कर रही है।

1865 करोड़ रुपए कैश कलेक्शन के साथ बोकारो स्टील प्लांट तीसरे पायदान पर,भिलाई फर्स्ट व राउरकेला सेकेंड

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

बोकारो : स्टील अर्थॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने मई-2026 के कैश कलेक्शन का आकंड़ा जारी कर दिया है।इसमें सेल की प्रमुख इकाई बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) 1865 करोड़ रुपए कैश कलेक्शन के साथ तीसरे पायदान पर रहा। वहीं, भिलाई 2662 करोड़ रुपए के साथ के साथ पहले स्थान रहा। राउरकेला 1967 करोड़ रुपए के साथ दूसरे स्थान पर रहा।सेल का कुल कैश कलेक्शन रहा 8616 करोड़ रुपया रहा।इस्को स्टील प्लांट 848 करोड़ रुपए के साथ चौथे व 686 करोड़ रुपए के साथ दुगार्पुर स्टील प्लांट पांचवें पायदान पर रहा।यहां उल्लेखनीय है कि मूल्य संवर्धित इस्पात के क्षेत्र में बीएसएल की बड़ी उपलब्धि मिली है। बीएसएल को चार नये ग्रेड्स को बीआईएस (बीआइएस) प्रमाणन मिला है।

बीएसएल ने अपने मूल्य संवर्धित इस्पात पोर्टफोलियो को सशक्त बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।बीएसएल के आईएस 513 (भाग 2) के तहत आईएससी 410 ग्रेड तक उपलब्ध मौजूदा बीआईएस लाइसेंस का विस्तार करते हुए अब इसी मानक के अंतर्गत आईएससी 440 एलए, आईएससी 470 एलए, आईएससी 510 एलए और आईएससी 550 एलए ग्रेड को शामिल करने के लिए भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), जमशेदपुर से औपचारिक स्वीकृति प्राप्त हुई है।मूल्य संवर्धित इस्पात के क्षेत्र में यह बड़ी उपलब्धि है।यह स्वीकृति बोकारो इस्पात संयंत्र में उत्पादित हाई स्ट्रेंथ लो अलॉय (एचएसएलए) कोल्ड रोल्ड स्टील ग्रेड के मानकीकरण की दिशा में एक बड़ी प्रगति है। आईएस 513 (भाग 2) में इन विशिष्ट ग्रेड्स के शामिल होने से यह सुनिश्चित होगा कि ये अब राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त गुणवत्ता मानकों के अनुरूप हैं, जिससे प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों में इनकी स्वीकार्यता और मांग में वृद्धि होगी। मतलब, बीएसएल के इस्पात की मांग बढ़ेगी।

बोकारो इस्पात संयंत्र की यह गौरवपूर्ण उपलब्धि उत्पाद की गुणवत्ता और प्रोडक्ट मिक्स में सुधार लाने के सेल के रणनीतिक विजन के अनुरूप है। इससे घरेलू इस्पात बाजार की बदलती जरूरतों को पूरा करने और ग्राहक संतुष्टि सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।यह उपलब्धि मूल्य संवर्धित इस्पात उत्पादन क्षमताओं को सुदृढ़ करने के प्रति बीएसएल के केंद्रित और सकारात्मक दृष्टिकोण को रेखांकित करती है।इस विकास के साथ बीएसएल ने न केवल अपने उत्पाद पोर्टफोलियो को मजबूत किया है, बल्कि उन्नत स्टील ग्रेड के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में भी कदम बढ़ाए हैं। बीआईएस की यह स्वीकृति आयात पर निर्भरता कम करने और भारत सरकार की आत्मनिर्भर भारत जैसी पहलों के अंतर्गत स्वदेशी विनिर्माण को बढ़ावा देने में सहायक सिद्ध होगी। इसका असर भी दिखना शुरू हो गया है।यह उपलब्धि बोकारो इस्पात संयंत्र की गुणवत्ता और तकनीकी नवाचार के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करती है। उच्च प्रदर्शन वाले इन नए स्टील ग्रेड्स का प्रमाणीकरण न केवल संयंत्र की बाजार में प्रतिस्पर्धात्मक शक्ति को बढ़ाएगा, बल्कि ग्राहकों को विश्व स्तरीय समाधान उपलब्ध कराकर उत्पादकता और गुणवत्ता के क्षेत्र में बीएसएल की अग्रणी भूमिका को और सुदृढ़ करेगा।

खराब प्रदर्शन वाले बैंकों में सरकारी राशि नहीं रखने पर होगा विचार : वित्त मंत्री

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : राज्य के वित्त, वाणिज्यकर, योजना एवं विकास तथा संसदीय कार्य मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने सोमवार को समाहरणालय सभागार में आयोजित जिला स्तरीय बैंकर्स समीक्षा बैठक में विभिन्न बैंकों के प्रदर्शन, ऋण-जमा अनुपात (सीडी रेश्यो), शाखा विस्तार, वार्षिक ऋण योजना तथा सरकार प्रायोजित योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत सहित विभिन्न बैंकों के क्षेत्रीय,एसएलबीसी एवं जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।बैठक के दौरान मंत्री ने जिले के वर्तमान सीडी रेश्यो 36 प्रतिशत रहने पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि पिछली समीक्षा बैठक में यह आंकड़ा 40 प्रतिशत था, जबकि चार माह के दौरान इसमें वृद्धि होने के बजाय कमी दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि बैंकों का दायित्व केवल जमा राशि बढ़ाना नहीं, बल्कि स्थानीय स्तर पर ऋण प्रवाह बढ़ाकर आर्थिक गतिविधियों को गति देना भी है। मंत्री ने स्पष्ट कहा कि जिन बैंकों का सीडी रेश्यो लगातार खराब रहेगा, उनमें सरकारी राशि रखने के विषय में पुनर्विचार किया जाएगा।मंत्री ने सभी बैंकों की जमा राशि, ऋण वितरण एवं लक्ष्य के विरुद्ध उपलब्धियों की समीक्षा करते हुए बैंकवार प्रदर्शन का

आकलन किया। उन्होंने कृषि, स्वरोजगार एवं लघु उद्यमों को बढ़ावा देने के लिए ऋण वितरण में तेजी लाने का निर्देश दिया।बैठक में जिले के बैंकिंग नेटवर्क की भी समीक्षा की गई। बताया गया कि जिले में विभिन्न बैंकों की कुल 145 शाखाएं संचालित हैं। मंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं की सुलभ उपलब्धता सुनिश्चित करना आवश्यक है। जिन बैंकों की जिले में केवल एक या सीमित शाखाएं हैं, उन्हें नए शाखा विस्तार पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पलामू एक आकांक्षी जिला है और इसके समग्र विकास में बैंकिंग संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका है। बैंकों को केवल व्यावसायिक दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि सामाजिक एवं विकासात्मक दायित्वों को भी ध्यान में रखकर कार्य करना चाहिए।उन्होंने किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) से संबंधित लंबित आवेदनों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया तथा कहा कि पात्र किसानों को समय पर ऋण उपलब्ध कराना बैंकों की प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके अलावा वार्षिक ऋण योजना, बकाया अग्रिम, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति ऋण, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, बैंक मित्र (बीसी) नेटवर्क तथा सरकार प्रायोजित योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की गयी।जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने बैठक में बैंकों से समन्वय स्थापित कर वित्तीय समावेशन, स्वरोजगार एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में सहयोग करने का आग्रह किया।बैठक में बैंकिंग सेवाओं की पहुंच बढ़ाने, ऋण वितरण में सुधार लाने तथा सरकार की प्राथमिकता वाली योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

लकेया तालाब में मिले प्रतिबंधित पशु के अवशेष, क्षेत्र में तनाव, ग्रामीणों व हिंदू संगठनों में आक्रोश, निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गुमला : गुमला जिला अंतर्गत सिसई थाना क्षेत्र के लकेया गांव स्थित गौझींन तालाब में सोमवार की सुबह प्रतिबंधित पशु के अवशेष मिलने से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गयी और तनाव उत्पन्न हो गया।तालाब से पशुओं के दो सिर, दो पैर, चमड़ा तथा अन्य अवशेष बरामद होने के बाद ग्रामीणों और विभिन्न हिंदू संगठनों में भारी आक्रोश देखा गया।सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर जुट गये और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करने लगे।पुलिस व प्रखंड प्रशासन गांव पहुंच गयी है।साथ ही तालाब से अवशेष को बरामद कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार सोमवार की सुबह गांव के कुछ लोग शौच के लिये तालाब की ओर गये थे।इसी दौरान उनकी नजर तालाब में पड़े पशुओं के सिर और पैरों पर पड़ी। देखते ही देखते यह खबर पूरे गांव में फैल गयी और लोगों की भीड़ मौके पर उमड़ पड़ी।स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सिसई थाना प्रभारी नीरज कुमार, भरनो थाना प्रभारी आदित्य कुमार चौधरी तथा अंचल अधिकारी अशोक बड़ाईक पुलिस बल के साथ घटनास्थल पहुंचे। प्रशासन की मौजूदगी में जेसीबी मशीन की सहायता से तालाब का पानी हटाकर अवशेषों को बाहर निकाला गया। जांच के लिये कुछ नमूने सुरक्षित रखे गये, जबकि शेष अवशेषों को नदी किनारे दफना दिया गया।ग्रामीणों का कहना है कि वर्तमान में तालाब का उपयोग पशुओं को पानी पिलाने और अन्य दैनिक कार्यों के लिये किया जाता है।अवशेषों के सड़ने से आसपास दुर्गंध फैल गयी है तथा तालाब का पानी भी दूषित हो गया है। ग्रामीणों ने अधिकारियों को आवेदन सौंपकर मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। आवेदन में आसपास कहीं अवैध बूचड़खाने संचालित होने की आशंका भी जतायी गयी है।हिंदू जागरण मंच के संजय वर्मा तथा विश्व हिंदू परिषद के मुकेश श्रीवास्तव, रोहित शर्मा, मनीष बाबू और सौरभ ताम्रकार ने घटना को निंदनीय बताते हुए कहा कि सार्वजनिक उपयोग वाले तालाब में गौवंश के अवशेष फेंके जाने से लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं।संगठनों ने गौ तस्करी पर रोक लगाने, अवैध बूचड़खानों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।इधर पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है।थाना प्रभारी नीरज कुमार ने बताया कि घटनास्थल से लिये गये नमूनों की जांच करायी जा रही है।रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जायेगी। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की गहन जांच में जुटी हुई है।गांव का माहौल शांतिपूर्ण है।

नीट परीक्षा रद्द होने से डिप्रेशन में आई छात्रा ने की आत्महत्या

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

कोडरमा : झुमरीतिलैया थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 24 चित्रगुप्त नगर स्थित एक किराये के मकान में रविवार की देर रात एक छात्रा ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान 16 वर्षीय रूचि कुमारी पिता संजय कुमार सिंह मूल निवासी चितरकोली थाना रजौली नवादा बिहार के रूप में हुई है।बताया जाता है कि रूचि ने इस वर्ष मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट दी थी। प्रश्नपत्र लीक होने के बाद नीट की परीक्षा को रद्द किए जाने की वजह से वह डिप्रेशन में चली गई थी।इस बीच देर रात उसने किराये के मकान में फंदा लगाकर जान दे दी। घटना की सूचना पर पहुंची तिलैया पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अंत्यपरीक्षण के लिए सदर अस्पताल कोडरमा भेज दिया।जानकारी के अनुसार रूचि के पिता संजय कुमार एलआईसी एजेंट हैं और एमआर का भी काम करते हैं। वे करीब 12 वर्षों से अपने परिवार के साथ तिलैया के चित्रगुप्त नगर में किराये के मकान में रहकर बच्चों की पढ़ाई लिखाई करवाते थे। घटना की जानकारी देते हुए संजय ने बताया रूचि ने पिछले माह नीट की प्रवेश परीक्षा दी थी। परीक्षा के बाद वह खुश भी और उसने बताया था कि उसका पेपर बहुत अच्छा गया है।सेलेक्शन होने का पूरा चांस है। हालांकि, बाद में प्रश्नपत्र लीक होने की वजह से सरकार ने नीट की परीक्षा रद्द करते हुए इसे दोबारा आयोजित करने की बात कही।इस प्रकरण के बाद से रूचि डिप्रेशन में रहने लगी। हम लोगों ने उसे डिप्रेशन से निकालने का बहुत प्रयास किया। रविवार की रात रूचि अपने कमरे में नीट की ऑनलाइन कोचिंग से संबंधित परीक्षा दे रही थी, जबकि मैं और मेरी पत्नी खाना खाने बैठे थे। काफी समय बीत जाने के बाद भी जब रूचि खाना खाने नहीं आई तो उसके कमरे के पास पहुंचे।रूचि को दरवाजा खोलने को कहा, पर कोई जवाब नहीं मिला। बार-बार आवाज देने के बाद भी जब दरवाजा नहीं खुला तो दरवाजा तोड़ अंदर गए। अंदर देखा तो रूचि पंखे से फंदा लगाकर झूल रही थी।तत्काल उसे एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने मृत बता दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

हरला थाना ने दो वारंटियों को भेजा जेल

बोकारो : हरला थाना इंस्पेक्टर खुर्शीद आलम के नेतृत्व में सोमवार को वारंटियों के खिलाफ क्षेत्र में अभियान चलाया गया। इसमें दो वारंटियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।सीपी के नंबर 1347/25 के एनबीडब्लू वारंटी अजय कुमार को सेक्टर आठ बी से गिरफ्तार किया गया।जबकि एनबीडब्लू वारंटी युधिष्ठिर कुशवाहा को सेक्टर आठ सी से गिरफ्तार किया गया।खुर्शीद आलम ने बताया कि क्षेत्र में लगातार वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया जा रहा है।

डेली मार्केट को मॉडल मार्केट बनाने की दिशा में बड़ा कदम, सर्वसम्मति से बनी सहमति

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रामगढ़ : गोला डेली मार्केट को मॉडल मार्केट के रूप में विकसित करने की दिशा में सोमवार को महत्वपूर्ण पहल हुई। गोला प्रखंड सभागार में आयोजित बैठक में मुख्य रूप से विधायक ममता देवी सहित किसानों, दुकानदारों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों तथा जिला एवं प्रखंड प्रशासन के अधिकारियों ने भाग लिया।बैठक में जिला एवं प्रखंड प्रशासन द्वारा तैयार न्यू डेली मार्केट मॉडल का प्रस्तुतीकरण किया गया, जिस पर विस्तृत चर्चा के बाद सर्वसम्मति से सहमति प्रदान की गयी।बैठक में लिए गये निर्णय के साथ ही मॉडल डेली मार्केट निर्माण का मार्ग लगभग प्रशस्त हो गया है। अधिकारियों ने बताया कि जिला प्रशासन से अंतिम स्वीकृति मिलते ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जायेगा।

बैठक में उपस्थित लोगों ने कहा कि वर्तमान समय की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए डेली मार्केट का आधुनिकीकरण जरूरी है।प्रस्तावित मॉडल मार्केट में किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। वहीं व्यापारियों के लिए सुव्यवस्थित दुकानें, पार्किंग, पेयजल, शौचालय तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं का विकास किया जायेगा।प्रतिभागियों ने उम्मीद जतायी कि मॉडल मार्केट बनने से क्षेत्र के किसानों को अपनी कृषि ऊपज का

बेहतर मूल्य मिलेगा तथा स्थानीय व्यापार को भी बढ़ावा मिलेगा। इससे खरीदारों और विक्रेताओं दोनों को सुविधा होगी।बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में रामगढ़ विधायक ममता देवी शामिल हुईं।उन्होंने कहा कि गोला डेली मार्केट क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र है। इसे मॉडल मार्केट के रूप में विकसित किए जाने से किसानों, व्यापारियों एवं आम लोगों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि बाजार का विकास क्षेत्र के समग्र विकास से जुड़ा हुआ है और सभी पक्षों की सहमति से आगे बढ़ाया जा रहा यह प्रयास सराहनीय है।विधायक ने प्रशासनिक अधिकारियों से जनहित को प्राथमिकता देते हुए योजनाओं को धरातल पर उतारने की अपील की।उन्होंने कहा कि आधुनिक सुविधाओं से युक्त बाजार क्षेत्र के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।बैठक में उपस्थित लोगों ने मॉडल मार्केट योजना को क्षेत्र के विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया। अब जिला प्रशासन की अंतिम स्वीकृति मिलने का इंतजार है। स्वीकृति प्राप्त होने के बाद निर्माण कार्य शुरू होने पर गोला डेली मार्केट को आधुनिक स्वरूप मिलने की उम्मीद है, जिससे पूरे क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी।बैठक में जिला कल्याण पदाधिकारी सी शंकर चौधरी, जिला शिक्षा अधीक्षक संजीत कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी सुधा वर्मा, अंचल अधिकारी सीताराम महतो, सांसद प्रतिनिधि राजीव जायसवाल, प्रीतम झा, सुनील कुशवाहा, चतुर्भुज कश्यप, संतोष सोनी, गौरी शंकर महतो, रचिया महतो, मुखिया सुनीता देवी, पंचायत समिति सदस्य संध्या देवी, मुकेश कुमार, देवेंद्र दांगी, तुलसी महतो, गुलाम सरवर, कामेश्वर रंगीला, संजय कुशवाहा, अजय महतो, मनिष प्रसाद, महेंद्र प्रसाद, महेश महतो एवं अशोक प्रसाद समेत बड़ी संख्या में किसान, व्यापारी और गणमान्य लोग उपस्थित थे।

ट्रूथ पर्थ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रीटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580
संपादक:- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उतरदायी। ई. मेल:-truthpath941@gmail.com आर. एन. आई.नंबर .-JHAHIN/2023/90593

संक्षिप्त खबरें

तोपचांची में युवक को गोली मारकर आपराधियों ने लूट ली बाइक

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः तोपचांची क्षेत्र में सोमवार की सुबह बाइक से जा रहे एक युवक को गोली मार दी। घटना के बाद हमलावर उसकी बाइक लेकर फरार हो गए। घायल युवक को इलाज के लिए धनबाद के एसएनएमएमसीएच में भर्ती कराया गया है। हालांकि, पुलिस की शुरूआती जांच में मामला संदिग्ध नजर आ रहा है और इसके तार कोयला खनन क्षेत्र में वर्चस्व की लड़ाई से जुड़े होने की आशंका जताई जा रही है। घायल युवक की पहचान बोकारो जिले के दुग्दा थाना क्षेत्र के अटारी गांव निवासी रवि बख्श राय के रूप में हुई है। रवि ने पुलिस को बताया कि वह अपने एक मित्र के साथ बाइक से देवघर जा रहा था,इसी दौरान तोपचांची बाजार के समीप दो बाइक पर सवार अपराधियों ने उसे रोकने का प्रयास किया जब विरोध किया तो अपराधियों ने फायरिंग कर दी, जिसमें दो गोलियां उसके पैरों में लगीं। इसके बाद हमलावर उसकी बाइक लेकर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही बाघमारा एस-डीपीओ अजीत कुमार बिमल, तोपचांची थाना प्रभारी समेत अन्य पुलिस अधिकारी अस्पताल पहुंचे और घायल से पूछताछ की। जांच के दौरान पुलिस को घायल और उसके साथ मौजूद लोगों के बयान में कई विरोधाभास मिले। इसके बाद पुलिस को संदेह हुआ कि घटना की वास्तविक कहानी कुछ और हो सकती है। एसडीपीओ अजीत कुमार बिमल ने बताया कि घटनास्थल की जांच में न तो खून के निशान मिले और न ही गोली चलने से संबंधित कोई साक्ष्य बरामद हुआ है। प्रारंभिक जांच में यह संभावना सामने आई है कि फायरिंग की घटना दुग्दा क्षेत्र में कोयला खनन से जुड़े वर्चस्व विवाद के दौरान हुई हो और बाद में घायल को इलाज के लिए धनबाद लाकर घटना को तोपचांची क्षेत्र का बताया गया हो।फिलहाल, पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है. जल्द ही संभावित वास्तविक घटनास्थल का निरीक्षण किया जाएगा और जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मई में सेवानिवृत कर्मचारियों का बकाया भुगतान किया गया

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः धनबाद रेल मंडल में मई माह में सेवानिवृत होने वाले कर्मचारियों का समापक (बकाया)भुगतान किया गया। मई में कुल 33 रेलकर्मी सेवानिवृत्ति हुए थे। सभी कर्मचारियों का समापक भुगतान सोमवार को कर दिया गया. विदित हो कि धनबाद मंडल में सेवानिवृत्त कर्मचारियों के समापक भुगतान को प्राथमिकता दी जाती है. मंडल प्रशासन सेवानिवृत्त कर्मचारियों के हितों की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है` उल्लेखनीय है कि धनबाद मंडल में सेवानिवृत्त कर्मचारियों के समापक भुगतान की प्रक्रिया को सरल और तेज बनाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं` मंडल प्रशासन सेवानिवृत्त कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान करने के लिए हमेशा तत्पर रहता है. इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक श्री अखिलेश मिश्र द्वारा सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सम्मानित किया गया एवं उनकी सेवाओं के लिए धन्यवाद दिया गया . उन्होंने उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं भी दीं` इस अवसर पर मंडल के अन्य अधिकारीगण तथा यूनियन एवं एसोसिएशन के पदाधिकारीगण एवं कर्मचारी उपस्थित थे.

10 जून से किसानों को मिलेगा धान का बीज

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः धनबाद के किसानों के खरीफ फसल सीजन को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारी कर ली है। किसानों को 10 जून से धान का बीज उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि समय पर बुआई सुनिश्चित हो सके। जिला कृषि पदाधिकारी डॉ. अभिषेक मिश्रा ने पूर्वी टुंडी का दौरा कर कृषि योजनाओं की समीक्षा की और किसानों को मौसम के अनुकूल खेती करने की सलाह दी। धनबाद के पूर्वी टुंडी प्रखंड में कृषि को बढ़ावा देने और सरकारी खाली जमीनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला कृषि पदाधिकारी डॉ अभिषेक मिश्रा और बलियापुर कृषि विज्ञान केंद्र के प्रधान वैज्ञानिक डॉ अनिल कुमार ने लटानी पंचायत का दौरा किया। अधिकारियों ने सरकारी भूमि पर प्रस्तावित आजीविका मॉडल का निरीक्षण किया और स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं कृषि आधारित आय बढ़ाने की संभावनाओं का आकलन किया। दौरे के दौरान जिला कृषि पदाधिकारी ने किसानों को जानकारी दी कि 10 जून से धान का बीज उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसानों को समय पर गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है, ताकि खरीफ फसल की बुआई में किसी प्रकार की देरी न हो। कृषि वैज्ञानिकों ने बदलते मौसम और संभावित जल संकट को देखते हुए किसानों को वैज्ञानिक पद्धति से खेती करने की सलाह दी। विशेषज्ञों के अनुसार ऊंची भूमि पर दलहन फसलों की खेती अधिक लाभदायक होगी, जबकि मध्यम ऊंचाई वाली जमीन पर कम अवधि में तैयार होने वाली धान की किस्मों की बुआई करनी चाहिए। इससे कम पानी में बेहतर उत्पादन संभव होगा और, किसानों को मौसम की मार से भी राहत मिलेगी। कृषि विभाग का मानना है कि यदि किसान भूमि की प्रकृति और वैज्ञानिक सलाह के अनुसार फसल चयन करेंगे तो उत्पादन बढ़ेगा, लागत घटेगी और सूखे जैसी परिस्थितियों का प्रभाव भी कम होगा। विभाग की यह पहल धनबाद में कृषि को नई दिशा देने की कोशिश मानी जा रही है।

छापामारी में अवैध कोयला बरामद

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः सोनारडीह ओपी क्षेत्र में अवैध कोयला तस्करों के खिलाफ प्रशासन ने एक बड़ी कार्रवाई की है। बीसीसीएल एरिया-3 के अंतर्गत बाहयर-डीह में बीसीसीएल की सुरक्षा बल, सीआईएसएफ और सोनारडीह थाना की पुलिस ने छापेमारी कर 5 हाइवा अवैध कोयला जब्त किया है। अधिकारियों का कहना है कि यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। मालूम हो कि कुछ दिन पूर्व ही स्थानीय ग्रामीण महिलाओं ने अवैध खनन के खिलाफ मोर्चा खोला था। महिलाओं के इस विरोध प्रदर्शन और भविष्य में किसी बड़ी अप्रिय घटना या टकराव की आशंका को देखते हुए प्रशासन हरकत में आया। इसके बाद बीसीसीएल की टीम, सीआईएसएफ के जवान और सोनारडीह पुलिस ने मौके पर पहुंचकर यह अभियान चलाया।

सरकारी जमीन के उपयोग के बदले बीसीसीएल ने सरकार को चुकाया 220 करोड़ का राजस्व

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः बीसीसीएल सहित अन्य कोयला कंपनी सरकारी व रैयतों की निजी जमीन का उपयोग कर रही है। कोयला कंपनियों ने इसे स्वीकार किया है। सरकारी जमीन के उपयोग के बदले बीसीसीएल ने 220 करोड़ रुपए का राजस्व राज्य सरकार को दिया है। अन्य कोयला कंपनियों ने भी भुगतान का वादा किया है। अनुमान के मुताबिक इस मद में राज्य सरकार को 1000 करोड़ का राजस्व मिलेगा। उक्त बातें झारखंड विधानसभा की विशेष समिति (प्रश्न एवं ध्यानाकर्षण) के सभापति सह विधायक टुंडी श मथुरा प्रसाद महतो ने कही। उनकी अध्यक्षता में समिति धनबाद के दौरे पर आई है। सोमवार को समिति ने अधिकारियों के साथ सर्किट हाउस में बैठक की। समिति मेव विधायक सिंदरी चंद्रदेव महतो, विधायक निरसा अरूप चटर्जी, विधायक चंदनकियारी उमाकांत रजक एवं विधायक तोरपा सुदीप गु-ड़िया भी शामिल हैं । बैठक में भारत कोकिंग कोल लिमिटेड, ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, जिले में संचालित आउटसोर्सिंग कंपनियों द्वारा रैयतों, सरकारी व फोरेस्ट लैंड पर खनन व ओवर बर्डन डंपिंग की समस्या की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड तथा ईस्टर्न कोलफील्ड लिमिटेड ने भी स्वीकारा है कि उन्होंने खनन के लिए सरकारी जमीन का उपयोग किया है। इन कंपनियों ने स-रकार को राजस्व देने की बात भी स्वीकारी है। जिससे राज्य सरकार को 1000 करोड़ से अधिक का राजस्व प्राप्त होगा। सभापति ने कहा कि विशेष समिति के आकलन और निष्कर्ष से राज्य सरकार के साथ-साथ रैयतों को भी आर्थिक लाभ होगा। उन्होंने बताया कि 9 महीने पूर्व विधायक सिंदरी द्वारा सुरंगा में आउटसोर्सिंग कंपनी द्वारा ओवर बर्डन डंपिंग का मामला संज्ञान में लाया गया था। इसके बाद विधानसभा की विशेष समिति का गठन किया गया। समिति प्रयासरत है कि जितने

रैयतों की जमीन का उपयोग खनन के लिए किया जा रहा है उन्हें जमीन के एवज में पूरा मुआवजा मिले। इस-के लिए जिला प्रशासन एवं बीसीसीएल को रैयतों की समस्या का सरल तरीके से निपटारा करने का निर्देश दिया है। वहीं कुछ रैयतों के आवेदन भी प्राप्त हुए हैं। जिस पर कार्रवाई चल रही है। समिति का ध्यान समस्या का निराकरण करने पर केंद्रित है। बीसीसीएल ने भी स्वीकार किया है कि रैयत को मुआवजा दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि बैठक के दौरान क्षेत्र की समस्याओं, जनस-ुविधाओं एवं विकास कार्यों को लेकर विचार-विमर्श किया गया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए, ताकि आम जनता को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। समिति के सदस्य विधायक सिंदरी ने कहा कि रैयतों की समस्या का समाधान के लिए कार्रवाई को गति प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि अब तक रैयतों से लगभग 200 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। जिसका झरिया एवं बलियापुर के अंचल अधिकारी जांच कर निष्पादन कर रहे हैं। विधायक निरसा ने कहा कि विशेष समिति का उद्देश्य राजस्व की हानि रोकना तथा रैयतों को जल्दी मुआ-वजा दिलाना है। 5 - 6 दशक में जितनी सरकारी जमीन का बिना अनुमति खनन के लिए उपयोग हुआ है उसका आकलन कर मुआवजा लिया जाएगा। बैठक में सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव, अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे, अपर समाहर्ता विनोद कुमार, खनन पदाधिकारी रितेश राज तिग्गा, बीसीसीएल के सीएमडी मनोज कुमार अग्रवाल, निदेशक तकनीकी संचालन संजय कुमार सिंह के अलावा राजस्व विभाग के सभी पदाधिकारी, भू-अर्जन, पथ प्रमंडल, भवन निर्माण, एनएच, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड, मैथन पावर लिमिटेड, टाटा, डीवीसी, हर्ल, डीजीएमएस, आउटसोर्सिंग कंपनी के प्रतिनिधि तथा विभिन्न विभागों केनिर्देश दिया है।

बीसीसीएल में प्रतियोगिताओं एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः विश्व पर्यावरण दिवस पर सोमवार को बीसीसीएल द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं जनजा गरूकता हेतु प्रतियोगिताओं और जागरूकता कार्यक्रमों की शुरूआत की गई। इसी क्रम में आज जुबली हॉल, कोयला नगर में स्कूली बच्चों के लिए क्विज एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें शहर के विभिन्न स्कूलों के 150 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन दो सत्रों में किया गया। प्रथम सत्र में क्विज प्रतियोगिता आयोजित हुई, जिसमें कक्षा 5वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। द्वितीय सत्र में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों को तीन समूहों में विभाजित किया गया। ग्रुप ए में कक्षा 2 तक के बच्चों ने पर्यावरण से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपनी अभिव्यक्ति दी। ग्रुप बी में कक्षा 3 से 5 तक के विद्यार्थियों ने ह्यआवर अर्थ, आवर फ़्यूचर (हमारी

धरती, हमारा भविष्य) विषय पर आकर्षक चित्रों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। वहीं, ग्रुप सी में कक्षा 6 से 9 तक के विद्यार्थियों ने थ्री आर (रिड्यूस, र-ीसायकल एवं रीयूज) विषय पर अपनी पर्यावरणीय समझ एवं सृजनात्मकता का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। उल्लेखनीय है कि बीसीसीएल द्वारा प्रतिवर्ष विश्व पर्यावरण दिवस केम अवसर पर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करते हुए इस प्रकार के रचनात्मक एवं जन-संवेदनशील कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। आयोजनों में बीसीसीएल के कार्मिकों के साथ उनके पारिवारिक सदस्य, स्कूली बच्चे एवं आमजन भी सक्रिय रूप से सहभागिता करते हैं। प्रतियोगिताओं के विजेताओं की घोषणा 05 जून को आयोजित विश्व पर्यावरण दिवस के मुख्य समारोह में की जाएगी। विजेताओं को सम्मानित एवं पुरस्कृत किया जाएगा। कार्यक्रम में पर्यावरण विभाग के पदाधिकारियों-कर्मचारियों सहित बड़ी संख्या में बच्चों के अभिभावक भी उपस्थित रहे।

बाघमारा विधायक ने तेलमच्चो में डीएमएफटी फंड से बांध जीर्णोद्धार का शिलान्यास किया

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः डीएमएफटी फंड से तेलमच्चो पंचायत के कुंजी गांव रजक टोला में कालहाकनारी बांध के जीर्णोद्धार का सोमवार को शिलान्यास किया गया। बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो, जिला परिषद सदस्य आशा देवी एवं मुखिया प्रतिनिधि शिबू महतो ने संयुक्त रूप से फीता काटकर और नारियल फोड़कर कार्य का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विधायक शत्रुघ्न महतो ने कहा कि तालाबों का जीर्णोद्धार जल संरक्षण, पर्यावरण संतुलन तथा ग्रामीणों को भविष्य में जल संकट से राहत दिलाने के लिए आवश्यक है। वहीं जिला परिषद सदस्य आशा देवी ने कहा कि डीएमएफटी फंड का उद्देश्य खनन प्रभावित क्षेत्रों की विकासात्मक जरूरतों को पूरा करना है। कार्यक्रम के दौरान शिलापट्ट पर जिला परिषद सदस्य का नाम अंकित नहीं होने को लेकर ग्रामीणों ने विरोध जताया, जिसके कारण दो अन्य योजनाओं का शिलान्यास नहीं हो सका। विधायक ने आश्वासन दिया कि शिलापट्ट में नाम शामिल होने के बाद अन्य योजनाओं का भी शिलान्यास किया जाएगा। मौके पर जिप सदस्य आशा देवी, मुखिया प्रतिनिधी शिबु महतो, जिपस प्रतिनिधी गणेश महतो, उप मुखिया यार मोहम्मद, कन्हाई रजक, निमाई रजक, जगदीश रजक, दिपक रजक, जादु रजक, भागीरथ रजक, संजय साव, जितेन्द्र महतो, सन्टु दुबे, लोकेश दुबे, विजुला देवी, विमला देवी, झालु देवी, उषा देवी, नियोति देवी, अकली देवी सहित अन्य मौजूद थे।

मुआवजा भुगतान के लिए डीसी को सौंपा ज्ञापन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः पश्चिमी झरिया क्षेत्र के मुनीडीह कोल वाशरी हादसे में मृत चार श्रमिकों के आश्रितों को मुआवजा एवं मांगों को लेकर महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष किया जा रहा धरना पांचवे दिन भी जारी रहा। प्रबंधन द्वारा कार्रवाई नहीं होने से लोगों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। इसी को लेकर सोमवार को धनबाद जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष संतोष सिंह के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने धनबाद डीसी आदित्य रंजन से मुलाकात कर पीड़ित परिवारों की समस्याओं से अवगत कराया और शीघ्र हस्तक्षेप की मांग की। प्रतिनिधिमंडल की बात सुनने के बाद डीसी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों से दूरभाष पर बातचीत की तथा आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त को बताया कि 2 मई को मुनीडीह कोल वाशरी में हुए हादसे में चार श्रमिकों की मौत के बाद प्रबंधन द्वारा किए गए समझौते का अब तक पालन नहीं किया गया है। पीड़ित परिवारों का आरोप है कि समझौते के तहत प्रत्येक मृतक के आश्रित को 20 लाख रुपये मुआवजा,एचपीसी वेतनमान पर नौकरी तथा बच्चों की निःशुल्क शिक्षा देने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन एक माह से अधिक समय बीत जाने के बावजूद कोई ठोस पहल नहीं की गई है। इधर अपनी मांगों को लेकर मृतकों के आश्रितों द्वारा डब्लू जे एरिया, मुख्य द्वार पर धरना जारी है। आंदोलन को डब्ल्यूजे एरिया संयुक्त मोर्चा का भी समर्थन प्राप्त है। पीड़ित परिवारों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगें शीघ्र पूरी नहीं की गईं तो 6 जून से मुनीडीह पश्चिमी झरिया क्षेत्र में चक्का जाम और कोयला डिस्पैच पूरी तरह बंद कर दिया जाएगा। डीसी से मिलने वालों में चक्रधर महतो एवं रमेश कुमार सिंह, सुधीर कुमार सिंह,पूर्व मुखिया सह कांग्रेस नेता बिजेंद्र उर्फ बिजय पासवान,प्रीतम रवानी,मनोज महतो,सिंटू सिंह आदि शामिल हैं।

बीसीसीएल में उत्पादन, गुणवत्ता व समय पर काम पूरा करने का निर्देश

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) कोयला भवन सभागार में जीएम समन्वय की बैठक हुई। अध्यक्षता बीसीसीएल अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श मनोज कुमार अग्रवाल ने की। बैठक में निदेशक (मानव संसाधन) शमुरली कृष्ण रमैया, निदेशक (तकनीकी/संचालन) संजय कुमार सिंह, निदेशक (तकनीकी झ परियोजना एवं योजना), राजीव कुमार सिन्हा, निदेशक (वित्त) राजेश कुमार, डीआईजी सीआ-ईएसएफ जेके तिवारी, सभी क्षेत्रों के महाप्रबंधक, विभिन्न विभागों के महाप्रबंधक एवं विभागाध्यक्ष, सीएमडी सचिवालय के अधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कंपनी के समग्र कार्य निष्पादन, कोयला उत्पादन, डिस्पैच, गुणवत्ता एवं परिचालन से जुड़े पहलुओं की समीक्षा की गई। निदेश-ाक (तकनीकी/संचालन) संजय कुमार सिंह ने सभी क्षेत्रों के महाप्रबंधकों से उत्पादन लक्ष्य,

उपलब्धि, डिस्पैच एवं जमीनी स्तर पर आ रही बाधाओं की जानकारी ली तथा उनके समाधान के लिए निर्देश दिए। सीएमडी मनोज कुमार अग्रवाल ने परिवहन (ट्रांसपोर्ट) से जुड़े विषयों की समीक्षा की। सीएमडी ने कहा कि सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों को स्पष्ट रूप से समझें और उसके अनुरूप कार्य करें। उन्होंने यह भी कहा कि जवाबदेही तय करते हुए प्रत्येक स्तर पर जिम्मेदारी का निर्वहन सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है। उत्पादन एवं स्टॉक की समीक्षा करते हुए सीएमडी ने निर्देश दिया कि कोयला उत्पादन में किसी भी परिस्थिति में कमी न आने पाए तथा स्टॉक के प्रभावी प्रबंधन के साथ डिस्पैच को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने सभी क्षेत्रों को उत्पादन एवं डिस्पैच में उल्लेखनीय वृद्धि सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कोयले की गुणवत्ता पर विशेष बल देते हुए सीएमडी ने स्पष्ट कहा कि गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार्य नहीं है। यदि कहीं से भी गुणवत्ता संबंधी शिकायत प्राप्त होती है, तो संबंधित महाप्रबंधक तत्काल इस्-ाकी जानकारी देते हुए उसका शीघ्र समाधान सुनिश्चित करें। सुरक्षा के मुद्दे पर विशेष जोर देते हुए उन्होंने खदानों में सभी सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन तथा करने तथा दुर्घटना मुक्त कार्य वातावरण बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही, अवैध खनन एवं कोयला चोरी जैसे मामलों पर सतर्क निगरानी रखते हुए आवश्यक कार्रवाई करने को कहा।

मासिक धर्म स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) ने एग्या-रकुंड के गोपीनाथपुर, निरसा के खुसरी, टुंडी के मनियाडीह सहित अन्य प्रखंडों में रेड डॉट चैलेंज एवं मासिक धर्म स्वच्छता पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। जेएसएलपीएस के डीपीएम सुदिप्ता बनर्जी ने बताया कि इस अवसर पर स्वयं सहायता समूह के सहयोग से महिलाओं व किशोरियों को माह-वारी से जुड़े वैज्ञानिक तथ्यों, स्वच्छता और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी गई। बताया गया कि माहवारी कोई बीमारी नहीं, बल्कि प्रकृति की एक सामान्य और आवश्यक चक्र है। कार्यक्रम के दौरान मासिक धर्म स्वच्छता, महिलाओं एवं किशोरियों के स्वास्थ्य, स्वच्छता

संबंधी सावधानियों तथा सामाजिक जागरूकता पर विस्तार से चर्चा की गई। उपस्थित महिलाओं एवं किशोरियों को मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता बनाए रखने के महत्व के बारे में

जानकारी दी गई तथा उनसे जुड़े विभिन्न मिथकों एवं भ्रांतियों को दूर करने का प्रयास किया गया। इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों ने रेड डॉट चैलेंज के माध्यम से मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में किशोरी लड़कियों एवं महिलाओं के बीच सेनेटरी पैड का वितरण भी किया गया। मुखियाओं ने अपने संबोधन में कहा कि महिलाओं एवं किशोरियों के स्वास्थ्य और सम्मान के लिए इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने सभी से इस विषय पर खुलकर चर्चा करने तथा समाज में सकारात्मक संदेश फैलाने की अपील की। कार्यक्रम में जल सहिया, स्वास्थ्य सहिया, जेएसएलपीएस से जुड़ी स्वयं सहायता समूह की सदस्याएं एवं गांव की किशोरी लड़कियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। रेड डॉट चैलेंज एवं मासिक धर्म स्वच्छता पर अलग- अलग प्रखंडों में 3 जून तक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

राजकीय श्रावणी मेला की तैयारी जोरों पर,सुलभ व सुरक्षित जलार्पण के साथ श्रद्धालुओं को बाबा नगरी में बेहतर अनुभूति पर मंत्री का जोर

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

देवघर : आगामी राजकीय श्रावणी मेला की तैयारियों को लेकर सोमवार को देवघर परिसदन सभागार में नगर विकास एवं आवास, पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक हुई।बैठक में मेला क्षेत्र में होने वाले विकास कार्यों, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन और श्रद्धालुओं की सुविधाओं की विभागवार समीक्षा की गयी।उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया एवं दुमका उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने मंत्री को मेला क्षेत्र में चल रहे कार्यों, उनकी अद्यतन स्थिति तथा श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए किये जा रहे इंतजामों की जानकारी दी।बैठक में मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि 31 जुलाई से राजकीय श्रावणी मेला शुरू होगा। ऐसे में सभी विभाग तय समयसीमा के भीतर अपनी तैयारियां पूरी करें।उन्होंने स्पष्ट किया कि मेला अवधि में श्रद्धालुओं की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए वीआईपी और वीवीआईपी के आउट ऑफ टर्न दर्शन पर पूरी तरह रोक रहेगी। इससे सामान्य श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होगी।उन्होंने कहा कि श्रावणी मेला झारखंड की पहचान और राज्य का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन है। बाहर से आने वाले श्रद्धालु बाबा बैद्यनाथ की नगरी से मधुर स्मृतियां लेकर लौटें, यह प्रशासन और सभी विभागों की सामूहिक जिम्मेदारी है।मंत्री ने मेला क्षेत्र में सुरक्षा के मद्देनजर ओपी, ट्रैफिक ओपी, स्वास्थ्य केंद्र, सूचना-सहायता केंद्र, मातृत्व केंद्र, पर्यटन केंद्र और विद्युत केंद्रों की व्यवस्था सुदृढ़ रखने का निर्देश दिया।साथ ही टेंट सिटी, शौचालय, पेयजल, स्नानगृह, कूड़ेदान, सफाई और कचरा उठाव की व्यवस्था चौबीसों घंटे दुरुस्त रखने को कहा।पथ प्रकाश, विद्युत आपूर्ति, सजावट, तोरण द्वार और वैकल्पिक बिजली व्यवस्था को भी पूरी तरह सुरक्षित और व्यवस्थित रखने का निर्देश दिया गया।श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा बढ़ाने के लिए इस बार मेला क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों का व्यापक उपयोग किया जाएगा।मंत्री ने फेस रिकग्निशन सिस्टम, एआई आधारित इंटीग्रेटेड मेला कंट्रोल रूम, एआई चैटबॉट आधारित सूचना एवं हेल्पलाइन, एआई आधारित ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम, आधार काउंटर, लोकेशन बेस्ड अटेंडेंस सिस्टम और डिजिटल पवेलियन की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।इसके अलावा पूर्व की तरह क्यूआर कोड आधारित फीडबैक सिस्टम को और विकसित करने पर जोर दिया गया, ताकि श्रद्धालु सीधे अपनी समस्याएं प्रशासन तक पहुंचा सकें और उनका त्वरित समाधान हो सके।गर्मी को देखते हुए मंत्री ने मेला क्षेत्र में इंद्र वर्षा और मिस्ट कूलिंग सिस्टम की संख्या बढ़ाने का निर्देश दिया। साथ ही स्वास्थ्य सुविधाओं को और सशक्त करने, आपात चिकित्सा व्यवस्था मजबूत रखने तथा भीड़ नियंत्रण की विशेष तैयारी करने को कहा।मंत्री ने कहा कि ट्रैक्टर-ट्रॉली पर डबल डेकर बनाकर श्रद्धालुओं को लाना बेहद खतरनाक है। ऐसे वाहनों के कारण हादसों की आशंका बढ़ जाती है।इसलिए श्रावणी मेला के दौरान देवघर जिला सीमा में डबल डेकर वाहनों के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।उन्होंने निर्देश दिया कि इस संबंध में अभी से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। प्रवेश द्वारों और प्रमुख मार्गों पर विशेष पुलिस टीम तैनात कर ओवरलोडेड और अवैध रूप से संशोधित वाहनों पर कार्रवाई की जाएगी। श्रद्धालुओं से केवल बस, रेल और अधिकृत यात्री वाहनों का उपयोग करने की अपील की जाएगी।बैठक में देवघर-बासुकीनाथ फोरलेन सड़क परियोजना को मेला से पूर्व पूरा कराने के लिए समन्वित प्रयास करने का निर्देश दिया गया। साथ ही पार्किंग, वाहन पड़ाव, रूट लाइन, अपराध नियंत्रण, भीड़ प्रबंधन और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने पर विस्तृत चर्चा हुई।बैठक के बाद उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया ने मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू, सारठ विधायक उदय शंकर सिंह, देवघर विधायक सुरेश पासवान, पर्यटन निदेशक नमन प्रियेश लकड़ा, जिला परिषद अध्यक्ष और डिप्टी मेयर को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।बैठक में जिला परिषद अध्यक्ष, डिप्टी मेयर, जेटीडीसी के एमडी, पुलिस अधीक्षक देवघर, पुलिस अधीक्षक दुमका, उप विकास आयुक्त, नगर आयुक्त, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी देवघर एवं दुमका, जिला नजारत उप समाहर्ता, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक (यातायात), जिला खेल पदाधिकारी, एम्स के अधिकारी, कार्यपालक अभियंता विद्युत आपूर्ति प्रमंडल, कार्यपालक अभियंता विद्युत प्रमंडल धनबाद, कार्यपालक अभियंता पथ प्रमंडल, कार्यपालक अभियंता भवन प्रमंडल, कार्यपालक अभियंता भवन निर्माण निगम, नेशनल हाईवे, विद्युत आपूर्ति प्रमंडल, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं अभियंता उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

भारी मात्रा मे प्रतिबंधित सिरप के साथ एक आरोपी पकडाया, पकडे गये आरोपी ग्रामीण क्षेत्र के नशेडी युवाओं को बेचते थे ऑनरेक्स सिरप

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

हजारीबाग : हजारीबाग जिले को नशामुक्त जिला बनाने को लेकर शहर व आसपास के क्षेत्रों मे पुलिस लगातार छापामारी कर रही है। नशीले पदार्थ खरीद विक्री करनेवाले और इसका सेवन करनेवालों पर पुलिस लगातार कार्रवाई कर कामयाबी हासिल कर रही है। इसके तहत पेलावल ओपी और लोहसिंघना पुलिस ने छडवा डैम खुटरा मार्ग मे छापामारी कर भारी मात्रा मे प्रतिबंधित सिरप के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकडे गये आरोपी खुटरा गांव के नाजिम हुसैन है।इसके पास से ऑनरेक्स नामक प्रतिबंधित सिरप के 138 पीस बरामद किया है।पकडे गये आरोपी ग्रामीण क्षेत्र के नशेडी युवकों को बेचते थे।आरोपी नाजिम हुसैन प्रतिबंधित सिरप 140 रुपए प्रति सीसी खरीदते थे।उसे वह 200 रुपए प्रति पीस बेचते थे।इस सिरप पर सरकार ने प्रतिबंधित किया है। पकडे गये आरोपी पर एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर जेल भेज दिया।कफ सिरप के नाम खरीद कर युवा नशा के लिये इस्तेमाल करते है। पेलावल ओपी प्रभारी बिट्टु रजक ने कहा कि एसपी अमन कुमार के गुप्त सुचना पर छापामारी किया गया। इसके आधार पर पेलावल ओपी और लोहसिंघना थाना की पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते प्रतिबंधित सिरप के साथ आरोपी को गिरफ्तार किया है।थाना प्रभारी ने कहा कि इस प्रतिबंधित सिरप को युवा कफ सिरप के रूप मे खरीदकर नशा के लिये इस्तेमाल करते है।इचाक से प्रतिबंधित सिरप खरीदा था। थाना प्रभारी ने बताया कि पकडे गये आरोपी ने पूछताछ मे बताया कि वह इचाक थाना क्षेत्र से प्रतिबंधित सिरप ऑनरेक्स सिरप को खरीद कर लाता था।उसे ग्रामीण क्षेत्र को युवाओं को नशा मे उपयोग करने के लिये बेचता था। थाना प्रभारी ने यह भी बताया कि इस सिरप को इचाक के एक व्यक्ति बिहार के गया जिला से थोक मे उठाव करता है।इसके बाद ग्रामीण क्षेत्र मे इसे खपाता है।आरोपी ने पूछताछ मे यह भी बताया कि इचाक से जिले के कई थाना क्षेत्रों मे इसे खपाता है।

वनकर्मियो ने अस्नाही गांव केन्दु पत्ता लदा पिकअप वाहन को जप्त किया

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

चतरा : वन विभाग की टीम ने सोमवार को वन क्षेत्र के अस्नाही गांव से केन्दु पत्ता लदे एक पिकअप वाहन को जप्त किया है। जप्त वाहन को वन कार्यालय लाया गया। इस संबंध में वन विभाग के कर्मी संजय कुमार प्रधान ने बताया की उतरी वन प्रमंडल पदाधिकारी के द्वारा सूचना दिया गया है। अस्नाही गांव में अवैध खालिहान खोलकर केन्दु पत्ता तोड़कर बोरा में रखा गया है। उक्त बोरा को पिकअप वाहन में लादकर लेकर जाने के फिराक में है जिसके बाद तुरंत वन विभाग ने अस्नाही गांव में पिकअप में लदे केन्दु पत्ता को जप्त कर लिया है। आगे बताया की वनकर्मी को देखते ही पिकअप वाहन के ड्राईवर देखकर भागने लगे।अस्नाही गांव में अवैध खालिहान खोलकर केन्दु पत्ता करने वाले पर कारवाई के लिए वरीय पदाधिकारी को प्रेसित कर दिया गया है। मालूम हो की एक दिन पूर्व में अखबार में अवैध खालिहान खोलकर केन्दु पत्ता की खरीदारी करने का मामला प्रकाशित किया गया था। इस टीम में श्वेक सिंन्हा,संजय कुमार,अजय प्रजापति,मनिष कुमार, मिस्टर जिन्नो,दीपक गुप्ता, धनजंय कुमार एवं होम गार्ड का जवान शामिल थे।

सितंबर माह से सेविका को नही मिली पोषाहार की राशि, कर्ज लेकर चला रही केंद्रों में पोषाहार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

चतरा : सिमरिया व लावालौंग प्रखण्ड में संचालित 219 आंगनबाड़ी केंद्र की सेविकाओं को सितंबर माह 2025 से पोषाहार की राशि नही मिली है। जिससे सेविकाओं को केंद्र का संचालन करने में परेशानी हो रही है। विभाग द्वारा पोषाहार की राशि का भुगतान नही किये जाने से सेविकाओं को दिक्कत हो रही।सेविकाएं दुकान से उधार लेकर कर व कर्ज लेकर किसी तरह केंद्र का संचालन कर नन्हे बच्चो को पोषाहार दे रही है। पैसा के अभाव में सेविकाओं को आये दिन परेशानी झेलनी पड़ रही है। पोषाहार में बच्चो को चावल दाल, सूजी चीनी व अंडा दिया जाता है। इन सामाग्री की खरीदारी के लिए पोषाहार की राशि नही मिली है।हर माह ढाई हजार से तीन हजार रुपये पोषाहार की खरीदारी के लिए विभाग द्वारा भेजा जाता था।उक्त राशि से ही आंगनबाड़ी सेविका पोषाहार की खरीदारी करती है।कई बार सेविकाएं विभाग से पोषाहार की राशि भुगतान करने की मांग करते थक चुकी है। लेकिन विभाग द्वारा सितंबर से लेकर मई माह तक पोषाहार की राशि भुगतान नही किया गया है। इससे सेविकाओं में विभाग के प्रति काफी नाराजगी है। सेविकाओं ने कहा कि पोषाहार के राशि नही मिलने से काफी परेशानी झेलनी पड़ रही है।दुकानदार भी उधारी देने से मना कर दिए है। ऐसे में केंद्र में पोषाहार चलाना मुश्किल हो रहा है. सेविका संघ की जिला अध्यक्ष प्रतिमा देवी ने कहा कि नौ माह से विभाग से पोषाहार की राशि की भुगतान करने की मांग करते आ रहे है।इसके बावजूद विभाग द्वारा भुगतान नही किया जा रहा है। जिससे केंद्र का संचालन करना मुश्किल हो गया है।उन्होंने कहा कि चतरा टंडवा, इटखोरी प्रखण्ड के आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषाहार वितरण कार्य बंद कर दिया गया है। पांच जून से सिमरिया लावालौंग प्रखण्ड के आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषाहार का वितरण पूरी तरह से बंद कर दिया जायेगा।जबतक विभाग द्वारा पोषाहार की राशि नही दी जाती है तब तक केंद्रों में पोषाहार वितरण बंद रहेगा।

प्राकृतिक जल स्रोतों से बुझ रही रायजामा के ग्रामीणों की प्यास,बारिश में बढ़ जाती है परेशानी, स्थायी समाधान की मांग

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : जिले के सीमावर्ती खरसावां प्रखंड के रायजामा के ग्रामीणों ने पेयजल संकट से निपटने के लिए सामुदायिक स्तर पर अनूठी पहल की है।गांव के समीप पहाड़ियों के बीच स्थित प्राकृतिक जल स्रोतों से पाइपलाइन के माध्यम से टोलों तक तक पहुंचाकर पेयजल की वैकल्पिक व्यवस्था की है।रायजामा गांव के साथ साथ पास के फेचांग टोला में दो ओर स्थानों पर प्राकृतिक जल स्रोतों का उपयोग कर ग्रामीणों ने सामूहिक सहयोग से जलापूर्ति की व्यवस्था विकसित की है।इससे क्षेत्र के लोगों को काफी राहत मिली है और दैनिक पेयजल जरूरतों की पूर्ति हो रही है। हालांकि ग्रामीणों का मानना है कि स्थायी समाधान के लिए सरकारी जलापूर्ति योजना का भी लाभ मिलना आवश्यक है।

रायजामा में दो चापाकल व एक जल मीनार खराब

71 परिवार वाले रामजामा गांव में सरकार की ओर से गाडे गये दो चापाकल खराब है।पुरानी जलापूर्ति योजना खराब पड़ा हुआ है। एक सोलर संचालित मिनी जल मीनार ठीक ठाक है, परंतु इससे ग्रामीणों की जरुरतें पुरी नहीं हो पाती है। ऐसे में गांव के लोग प्राकृतिक जल स्रोत से निकलने वाली पानी का उपयोग करते है।इसके अलावा खेतों की सिंचाई में भी इसी पानी का उपयोग किया जाता है, जिससे किसानों को काफी सुविधा मिलती है।

रायजामा के फेचांग टोला में एक भी चापाकल या जल मीनार नहीं है।दोनों टोला में करीब 12 परिवार निवास करते है। इस टोला के लोगों की प्यास भी पाहाड़ से निकलने वाली प्राकृतिक जल स्रोतों की शितल पानी से ही बुझती है। इसी पानी से ग्रामीण अपनी पेयजल आवश्यकताओं के साथ-साथ भोजन बनाने और अन्य घरेलू कार्यों को पूरा करते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि प्राकृतिक जल स्रोत उनके लिए जीवनरेखा हैं, लेकिन सुरक्षित और स्वच्छ पेयजल की स्थायी व्यवस्था नहीं होने के कारण उन्हें कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।खरसावां प्रखंड के सीमावर्ती गांव के लोग आपसी सहयोग और सहभागिता से करीब 600 फीट ऊंची पहाड़ी पर स्थित प्राकृतिक जल स्रोतों से पाइप एवं बांस के सहारे पानी को गांव तक पहुंचा रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार रायजामा की पहाड़ियों में स्थित प्राकृतिक जल स्रोतों से वर्ष भर पानी का प्रवाह बना रहता है। ऊंचाई से पानी आने के कारण बिना किसी मोटर या पंप के तेज गति से पानी गांव तक पहुंच जाता है।यही कारण है कि गांव के अधिकांश परिवार इसी जल स्रोत पर निर्भर हैं। ग्रामीणों ने बताया कि वर्षों से यह व्यवस्था सामुदायिक सहयोग के बल पर संचालित हो रही है।समय-समय पर पाइप और बांस की मरम्मत भी ग्रामीण स्वयं मिलकर करते हैं, ताकि जलापूर्ति बाधित न हो।ग्रामीणों के लिये बारिश के मौसम में स्थिति चुनौतीपूर्ण हो जाती है।पहाड़ियों से बहकर आने वाली चिकनी मिट्टी और गाद पानी में मिल जाने से जल स्रोत का पानी गंदा हो जाता है।ऐसे समय में पेयजल की समस्या उत्पन्न हो जाती है और ग्रामीणों को स्वच्छ पानी के लिए दूर-दराज के स्रोतों का सहारा लेना पड़ता है। हालांकि ग्रामीणों का मानना है कि स्थायी समाधान के लिए सरकारी जलापूर्ति योजना का भी लाभ मिलना आवश्यक है।खरसावां-रड़गांव मुख्य मार्ग पर रांची जिले के तमाड़ क्षेत्र से सटे रायजामा गांव वर्ष 2023-24 तक घोर नक्सल प्रभावित क्षेत्र माना जाता है। पिछले दो वर्षों से इस क्षेत्र में नक्सल गतिविधियां समाप्त हुई है। अब क्षेत्र में विकास की नयी उम्मीद देखी जा रही है।

1400 होमगार्ड जवानों को नहीं मिला है तीन माह से वेतन,घर चलाने में हो रही है परेशानी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

बोकारो : बोकारो जिला के 1400 सौ से अधिक होमगार्ड जवानों (अंचल व प्रखंड में तैनात) को तीन माह से वेतन नहीं मिला है। इंतजार करते-करते तीन माह हो गया।अब पेट भरने व घर चलाने के लिए आर्थिक समस्या से जूझने लगे है। वेतन नहीं मिलने से परिवार चलाने में परेशानी हो रही है। बच्चों के पढाई पर प्रभाव पड रहा है।बैंक हर माह इएमआइ के लिए तकादा कर रहा है। कर्ज मांग कर घर चलाने को विवश जवानों को अब कर्ज भी नहीं मिल रहा है।लोग कर्ज देने में भी कतराने लगे है। जवानों ने कमांडेंट से वेतन के लिए गुहार लगायी है।जवान दुखड़ा सुनाते हुए बताते हैं कि दुकानवाले राशन व अन्य सामग्री देने में भी कन्नी काटने लगे है। राशन के बकाये रुपए को लेकर दुकानदार अब रोजाना तगादा भी करने लगे है।हम आर्थिक के साथ-साथ मानसिक परेशानी से भी गुजर रहे हैं।हर दिन कार्य स्थल पर जाने व घर लौटने से पूर्व वेतन मिलने का आशा लगी रहती है। मुख्यालय से राशि का आवंटन नहीं की सूचना मिलने पर खाली हाथ वापस लौटना पडता है। आर्थिक संकट के कारण कई जवानों ने परिवार को गांव तक भेज दिया है।जिला होमगार्ड कमांडेंट किरण कुमारी ने मुख्यालय को राशि आवंटन के लिए पत्र भेजा है। निजी तौर पर जवानों की आर्थिक समस्याओं से भी अवगत कराया है। बोकारो जिला होमगार्ड कमांडेंडेंट किरण कुमारी ने बताया कि कागजी कार्रवाई पूरी कर ली गयी है।आवंटन की मांग की गयी है। आशा है कि एक सप्ताह में बकाया राशि का भुगतान हो जायेगा। कुछ तकनीकी कारणों से वेतन रूका हुआ था।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक को सौंपा गया आमंत्रण,दस जून को पेटरवार में होगी वन विभाग और समिति की संयुक्त कार्यशाला

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : पेटरवार स्थित वन विभाग के सभागार में दस जून को आयोजित होने वाली वन विभाग एवं केंद्रीय वन पर्यावरण सुरक्षा सह प्रबंधन समिति की संयुक्त कार्यशाला को लेकर तैयारियां तेज हो गयी हैं। इसी क्रम में सोमवार को समिति के एक प्रतिनिधिमंडल ने रांची पहुंचकर राज्य के प्रधान मुख्य वन संरक्षक संजीव कुमार से भेंट की और उन्हें कार्यशाला का औपचारिक आमंत्रण पत्र सौंपा। गौरतलब है कि प्रधान मुख्य वन संरक्षक संजीव कुमार इस कार्यशाला के मुख्य अतिथि होंगे और इसके लिए वे पूर्व में ही अपनी सहमति प्रदान कर चुके हैं।आमंत्रण स्वीकार करते हुए उन्होंने उम्मीद जतायी कि यह कार्यशाला वन एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में सार्थक पहल साबित होगी।उन्होंने कहा कि ऐसे संवाद और सहभागिता आधारित कार्यक्रमों से जंगलों की सुरक्षा, संरक्षण और सामुदायिक भागीदारी को नई दिशा मिलेगी तथा सकारात्मक विमर्श सामने आएगा।प्रतिनिधिमंडल में समिति के केंद्रीय उपाध्यक्ष विष्णुचरण महतो, केंद्रीय सचिव सुलेमान अंसारी, केंद्रीय सदस्य आनंद कुमार महतो तथा कसमार प्रखंड अध्यक्ष गंगाधर महतो शामिल थे। प्रतिनिधियों ने कार्यशाला के उद्देश्यों और प्रस्तावित कार्यक्रमों की जानकारी भी प्रधान मुख्य वन संरक्षक को दी।

चंदनकियारी पश्चिमी पंचायत में आयुष्मान आरोग्य शिविर का आयोजन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

बोकारो : चंदनकियारी प्रखंड मुख्यालय स्थित चंदनकियारी पश्चिमी पंचायत भवन में सोमवार को यक्ष्मा मुक्त भारत अभियान के तहत 100 दिन टीबी कैम्प के लिए आयुष्मान आरोग्य शिविर आयोजित किया गया।शिविर में 85 लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई.जिसमे उच्च जोखिम वाले डायबिटीज, पुराने टीबी रोगी, टीबी रोगी के घर वाले, शराब एवं धूम्रपान करने वाले, 60 वर्ष के ऊपर के लोगों, कम बीएमआई वाले लोगों का एआई आधारित पोर्टेबल एक्स-रे मशीन द्वारा जांच कर बलगम संग्रहण किया जा गया। मौके पर एसटीएस अनुराग कुमार, एसटीलए इंद्रद्वीप, टीवीएभी संजीव मंडल, सीएचओ सबिता, टेक्नीशियन मुकेश, एएनएम, सहिया साथी , सहिया और स्वास्थ्य कर्मी समेत पंचायत प्रतिनिधि उपस्थित थे।

भारतमाला परियोजना के मजदूरों का बवाल, बकाया भुगतान को लेकर मजदूरों का फूटा गुस्सा, मजदूरों ने एचआर को पीटा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गुमला : भारत माला सड़क बना रही शिवालया कंपनी के कार्यालय में मजदूरों ने बवाल किया। कंपनी के एचआर का कॉलर पकड़कर कार्यालय से घसीटकर बाहर निकाला। इसके बाद पिटाई कर दी। एचआर को बचाने आये एक अन्य कर्मी से भी हाथापाई हुई।मजदूरों ने बकाया मजदूरी की मांग को लेकर हंगामा किया।कंपनी के अस्थायी कैंप में नाइट गार्ड की डयूटी करने वाले मजदूरों को अबतक मजदूरी नहीं मिली है। मजदूरों का आरोप है. मजदूरी मांगने पर कंपनी के एचआर आज कल कहकर टाल रहा है।जब सभी मजदूर एकजुट होकर मजदूरी मांगने गये तो एचआर उनसे अभद्र व्यवहार किया। इसके बाद मामला गरमाया। दूसरी तरफ एचआर का कहना है कि कंपनी से जैसे ही भुगतान प्राप्त होगा। मजदूरों का बकाया मजदूरी का भुगतान कर दिया जायेगा।भारत माला सड़क परियोजना के तहत चल रहे सड़क निर्माण कार्य में विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। भूमि मुआवजे को लेकर विरोध प्रदर्शन जारी है।धार्मिक स्थल पर रोड बनाने से भी विवाद गहराया हुआ है। गांधी के अनुयायी टाना भगत भी अपनी जमीन को बचाने के लिए महीनों से आंदोलनरत हैं। डीसी कार्यालय तक का घेराव कर चुके हैं। अब ताजा मामला सड़क बना रही शिवालया कंपनी द्वारा मजदूरों को मजदूरी नहीं देने का मामला गरमा गया है।सोमवार को बकाया भुगतान नहीं मिलने से नाराज ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा और निर्माण कार्य में लगे एचआर कर्मी के साथ तीखी नोकझोंक के बाद हाथापाई की गयी। ग्रामीणों का आरोप है कि परियोजना से जुड़ी कंपनी द्वारा काम तो कराया गया। लेकिन मजदूरी का भुगतान समय पर नहीं किया जा रहा है।भुगतान को लेकर कई बार मांग करने के बावजूद कोई ठोस पहल नहीं की गयी।जिससे लोगों में भारी नाराजगी है।आक्रोशित ग्रामीणों ने निर्माण स्थल पर पहुंचकर अपना विरोध दर्ज कराया और कंपनी प्रबंधन के खिलाफ जमकर नाराजगी जतायी।ग्रामीण गंगा सिंह ने बताया कि वे सभी भूमि सिक्योरिटी मैनेजमेंट कंपनी के माध्यम से भारतमाला परियोजना में नाइट गार्ड के रूप में कार्यरत थे।काम करने के बावजूद कई लोगों का मेहनताना अब तक बकाया है।उन्होंने बताया कि विराज सिंह का 20 दिन, पंकज पांडेय का 23 दिन, महादेव महतो का 21 दिन, सूरज सिंह का 58 दिन, गणेश सिंह का 34 दिन, प्रीतम कुमार का 28 दिन, गंगा सिंह का 54 दिन, रामकुमार गुप्ता का 53 दिन, लुईस मिंज का 52 दिन तथा अमर सिंह का 20 दिन का भुगतान अब तक नहीं किया गया है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द भुगतान नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जायेगा। जिसकी पूरी जिम्मेदारी कंपनी प्रबंधन की होगी।

मुख्यमंत्री आवास और सरकारी बंगलों के आवंटन पर राजद का हमला, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से पूछे कई सवाल

पटना, (एजेंसी) : राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने मुख्यमंत्री आवास के विस्तार, सरकारी बंगलों के आवंटन और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी को आवास खाली करने के नोटिस के मुद्दे पर बिहार सरकार को घेरा है। सोमवार को राजद के राज्य कार्यालय पटना स्थित कपूरी सभागार में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में पार्टी के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव अब्दुल बारी सिद्दीकी ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर पक्षपातपूर्ण और राजनीतिक विद्वेष से प्रेरित होकर काम करने का आरोप लगाया। प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल और अनुसूचित जाति/जनजाति प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवचन्द्र राम की उपस्थिति में सिद्दीकी ने कहा कि देश के सबसे गरीब राज्य बिहार के मुख्यमंत्री का आवास देश के सबसे भव्य और आलीशान सरकारी आवासों में शामिल हो गया है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का बंगला प्रधानमंत्री के बंगला से भी बड़ा है। मुख्यमंत्री ने पूर्व में उपमुख्यमंत्री के नाम कर्णांकित 5, देशरत्न मार्ग को भी मुख्यमंत्री निवास में मिला लिया है। सम्राट चौधरी ने दिल्ली में बिहार निवास और बिहार भवन के बजाय टाइप-8 बंगला भी लिया है। मुख्यमंत्री ने अपना निवास लगभग 15 एकड़ से भी अधिक में कर लिया है। बिहार में अभी तक उपमुख्यमंत्री के लिए दो आवास कर्णांकित थे, पहला 5 ,देशरत्न मार्ग और दूसरा 3, स्टैंड रोड, लेकिन सम्राट चौधरी ने पक्षपात करके उपमुख्यमंत्री के नाम कर्णांकित आवास को भी अपने निवास में समाहित कर लिया। सम्राट चौधरी इतने ही नियम और कानून के पाबंद हैं तो फिर उपमुख्यमंत्री विजय चौधरी और विजेंद्र यादव जी को पूर्व से कर्णांकित उपमुख्यमंत्री आवास में उन्हें शिफ्ट क्यों नहीं कर रहे हैं?

अगर विजय चौधरी और विजेंद्र यादव मंत्री की हैसियत से आवंटित पूर्व के आवास में रह रहे हैं तो फिर दर्जा प्राप्त नेता प्रतिपक्ष बिहार विधान परिषद एवं बिहार की प्रथम महिला मुख्यमंत्री रही राबड़ी देवी जी के साथ एक अपरिपक्व और राजनीतिक विद्वेषपूर्ण, पक्षपातपूर्ण तथा बदले की भावना वाला व्यवहार क्यों किया जा रहा है? क्या यही आपकी नैतिकता और आचरण है? ईर्ष्या, द्वेष और शत्रुता की भावना से प्रेरित होकर सरकार कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री से पूछे कई सवाल

अब्दुल बारी सिद्दीकी ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से कई सवालों के जवाब सार्वजनिक रूप से देने की मांग की। उन्होंने पूछा कि जब वर्ष 2019 में पटना हाईकोर्ट में बिहार सरकार ने 5, देशरत्न मार्ग को उपमुख्यमंत्री का आवास बताया था, तो अब किस नियम के तहत उसे मुख्यमंत्री आवास में मिला दिया गया। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि मुख्यमंत्री आवास का नाम बदलकर ह्लोक सेवक आवासह्व करने के पीछे क्या उद्देश्य था और क्या इसका उपयोग आसपास के सरकारी बंगलों को जोड़कर आवास का विस्तार करने के लिए किया गया। सिद्दीकी ने ये सवाल पूछा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतिन नवीन 3, टेलर रोड में किस हैसियत से रह रहे हैं? जबकि बिहार में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। हाल के दिनों में किसान आयोग के अध्यक्ष के नाम से यह आवास आवंटित किया गया और उसमें नीतिन नवीन का ही कब्जा है। किसान आयोग के अध्यक्ष को इतना बड़ा बंगला दिया गया है तो उसमें आवासीय सुविधा क्यों नहीं है? तरैया के विधायक जनक सिंह को मंत्री का आवास 28/10 कैसे मिला है? पूर्व विधायक ज्ञानेन्द्र सिंह ज्ञानू को किस हैसियत से 23/10 आवंटित किया गया है? सांसद देवेश चन्द्र ठाकुर को 1 टेलर रोड किस हैसियत से मिला है? पूर्व मंत्री राजू सिंह को 11/13 मैंगल्स रोड में किस हैसियत से आवास आवंटित है? करणजीत सिंह, विधायक को हार्डिंग रोड आवास, मनोरमा देवी विधायक को 20/बी हार्डिंग रोड, पूर्व मंत्री कृष्ण कुमार मंटू को 17 हार्डिंग रोड, दीपक कुमार (रिटायर्ड आईएएस) को 3 पोलो रोड बंगला, सांसद संजय झा को एम स्टैंड रोड, सांसद उपेन्द्र कुशवाहा को 24 एम स्टैंड रोड वर्ष 2023 से ही आवंटित है। क्या उन्हें कभी आवास खाली कराने का नोटिस भी दिया गया है, जबकि उनके मंत्री पुत्र और विधायक पत्नी को अलग से आवास आवंटित है? क्या सभी विधायक, जो केंद्रीय पुल के बंगलों में अनाधिकृत रूप से रह रहे हैं, उन्हें अलग से आवास आवंटित नहीं किया गया है? आयोग के कितने सदस्यों को विपक्षी विधायकों से बड़ा आवास दिया गया है, इसकी सूची सार्वजनिक की जाए।

संक्षिप्त खबरें

ऑपरेशन यात्री सुरक्षा के तहत कार्रवाई में पांच शातिर पकड़ाया

गया जी(एजेंसी) : गया जंक्शन पर चलाए जा रहे ऑपरेशन यात्री सुरक्षा के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच युवकों को चोरी के मोबाइल, पर्स और बैग के साथ गिरफ्तार किया गया। सोमवार को सेक्टर-7 गया यार्ड क्षेत्र में गश्त और आपराधिक गतिविधियों की निगरानी के दौरान गाड़ी संख्या 18624 हटिया-इस्लामपुर एक्सप्रेस प्लेटफॉर्म संख्या-7 से खुलकर धीरे-धीरे यार्ड की ओर बढ़ रही थी। तभी स्लीपर कोच से तीन युवक उतरकर बैरागी की ओर जाते दिखाई दिए। संदेह होने पर जवानों ने उन्हें घेरकर पकड़ लिया। इसी दौरान प्लेटफॉर्म नंबर-1 के हावड़ा छोर के पास संदिग्ध अवस्था में घूम रहे दो अन्य युवकों को भी हिरासत में लिया गया।

गिरफ्तार युवकों की पहचान नवादा निवासी प्रहलाद कुमार, गया निवासी राहुल कुमार और गणेश कुमार चौहान, तथा पश्चिम बंगाल के पुरुलिया निवासी पवन सिंह और निर्मल सिंह के रूप में हुई है।

चोरी का सामान बरामद, 75 हजार रुपये की संपत्ति जब्त

पांचों युवकों की तलाशी के दौरान उनके पास से चोरी के पांच मोबाइल फोन, दो जेंट्स पर्स तथा दो शोल्डर बैग बरामद किए गए। बरामद सामान में वीवो, सैमसंग और इंटेल कंपनी के स्मार्टफोन शामिल हैं। इसके अलावा विभिन्न यात्रियों के आधार कार्ड, पैन कार्ड, वोटर कार्ड और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज भी मिले। पूछताछ में आरोपितों ने स्वीकार किया कि उन्होंने यात्रियों का सामान चोरी किया था। चोरी के सभी सामान को जब्त कर लिया है। बरामद संपत्ति की अनुमानित कीमत करीब 75 हजार रुपये बताई गई है। इस मामले में जीआरपी थाने में मामला दर्ज की गई ।गिरफ्तार सभी को कानूनी कार्रवाई के लिए न्यायालय में प्रस्तुत किये जाने के बाद जेल भेज दिया गया।

जेईई में शुभम की शानदार सफलता ने बिहार और गया का बढ़ाया मानः मांझी

गया जी (एजेंसी) : जेईई एडवांस्ड 2026 की परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक-1 हासिल कर देशभर में अपनी प्रतिभा का परचम लहराने वाले शुभम कुमार को केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री जीतनराम मांझी ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने शुभम की इस अभूतपूर्व उपलब्धि को पूरे बिहार, विशेषकर गया जिले के लिए गर्व और सम्मान का विषय बताया।श्री मांझी ने कहा कि एक साधारण मध्यमवर्गीय परिवार से आने वाले शुभम कुमार ने अपनी मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प के बल पर देश की सबसे प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त कर इतिहास रच दिया है। यह सफलता न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे राज्य के लिए गौरव का क्षण है।

उन्होंने कहा कि शुभम की उपलब्धि यह साबित करती है कि सीमित संसाधन और कठिन परिस्थितियां कभी भी सफलता की राह में बाधा नहीं बन सकतीं। यदि किसी व्यक्ति के पास स्पष्ट लक्ष्य, अथक परिश्रम और उसे प्राप्त करने का जुनून हो, तो वह किसी भी मुकाम तक पहुंच सकता है। शुभम ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से देशभर के युवाओं और विद्यार्थियों के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है।

मांझी ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में शुभम की सफलता लाखों छात्रों को अपने सपनों को साकार करने के लिए निरंतर प्रयास करने की प्रेरणा देगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि शुभम भविष्य में भी अपनी प्रतिभा और ज्ञान के बल पर देश का नाम रोशन करेंगे।

उन्होंने शुभम कुमार के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनकी यह उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों को शिक्षा और परिश्रम के महत्व का संदेश देती रहेगी। शुभम की सफलता ने बिहार और गया जिले का मान राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ाया है।

फतेहपुर में बेकाबू सांढ़ ने बुजुर्ग की ले ली जान, गांव में दहशत

डेढ़ महीने में आधा दर्जन से अधिक लोगों पर कर चुका है हमला

एक दिन पहले बुजुर्ग का तोड़ा था हाथ, रविवार को ले ली जान

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : फतेहपुर थाना क्षेत्र के राघवाचक गांव में एक बेकाबू सांड का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। रविवार की शाम सांड के हमले में गांव के 65 वर्षीय पूना महतो की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में भय और आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले डेढ़ महीने से यह सांड लगातार लोगों को निशाना बना रहा है और अब तक आधा दर्जन से अधिक लोगों को गंभीर रूप से घायल

कर चुका है।

बताया गया है कि रविवार शाम पूना महतो किसी काम से गांव में जा रहे थे। इसी दौरान सांड ने अचानक उन पर हमला कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सांड ने उन्हें कई बार जमीन पर पटक दिया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीण जब तक उन्हें बचाने पहुंचते, तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।

ग्रामीणों ने बताया कि यह पहली घटना नहीं है। शनिवार को भी इसी सांड ने एक बुजुर्ग पर हमला कर उनका हाथ तोड़ दिया था। इससे पहले भी कई लोग इसके हमले में घायल हो चुके हैं। लगातार हो रही घटनाओं से गांव के लोग भयभीत हैं। बच्चे घरों से बाहर निकलने से डर रहे हैं और किसान खेतों तक जाने में भी सतर्कता बरत रहे हैं।

ग्रामीणों के अनुसार, सांड के बढ़ते आतंक को देखते हुए कुछ सप्ताह पहले गांव वालों ने उसे पकड़कर पिकअप वाहन से झारखंड के कठम्बा जंगल में छोड़ दिया था। हालांकि कुछ दिनों बाद वह फिर गांव लौट आया और पहले से अधिक उग्र व्यवहार करने लगा। इसके बाद से हमलों की घटनाएं लगातार बढ़ी हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि शीघ्र ही प्रशासन और संबंधित विभाग द्वारा सांड को पकड़ने के लिए विशेष अभियान नहीं चलाया गया, तो भविष्य में और बड़ी घटनाएं हो सकती हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

युवाओं से नशामुक्त जीवन अपनाएं, उज्ज्वल भविष्य बनाएंः डॉ दिग्विजय

विश्व तम्बाकू निषेध सप्ताह दिवस पर गया में निकली जन जागरूकता रैली

गया जी (एजेंसी) : विश्व तम्बाकू निषेध सप्ताह दिवस के अवसर पर भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए), गया एवं ब्रह्मकुमारी संस्था के संयुक्त तत्वावधान में जन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली का शुभारंभ सुबह 6 बजे भारतीय चिकित्सा संघ गया जी शाखा परिसर से हुआ। यह रैली सरकारी बस स्टैंड, गेवाल बिगहा मोड़, जयप्रकाश झरना होते हुए गांधी मैदान स्थित गांधी मंडप तक पहुंची। रैली का उद्देश्य लोगों को तम्बाकू सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था।इस अवसर

पर आईएमए गया के अध्यक्ष डॉ. विश्व विजय सिंह ने कहा कि तम्बाकू सेवन आज एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या बन चुका है। उन्होंने बताया कि प्रतिवर्ष बिहार में लगभग एक लाख, भारत में 13 लाख तथा विश्वभर में करीब 80 लाख लोगों की मृत्यु तम्बाकू जनित कैंसर एवं अन्य बीमारियों के कारण होती है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे तम्बाकू उत्पादों के आकर्षक विज्ञापनों के प्रभाव में न आएं और अपने स्वास्थ्य, शिक्षा तथा उज्ज्वल भविष्य को प्राथमिकता दें।डॉ. सिंह ने सरकार से भी तम्बाकू एवं अधिक निकोटिनयुक्त उत्पादों के उत्पादन और प्रचार-प्रसार पर सख्त नियंत्रण लगाने की मांग की। उन्होंने कहा कि स्वस्थ समाज ही सशक्त और विकसित भारत के निर्माण की आधारशिला है। कार्यक्रम के दौरान अन्य चिकित्सकों एवं वक्ताओं ने भी तम्बाकू सेवन के दुष्परिणामों पर प्रकाश डालते हुए लोगों को नशामुक्त जीवन अपनाने का संदेश दिया रैली में आईएमए गया के सचिव डॉ. विमलेन्दु विमल, डॉ. अशोक कुमार सिंह, डॉ. डी.के. सहाय, डॉ. उमेश कुमार वर्मा, डॉ. राकेश कुमार चन्देल, डॉ. प्रांशु कुमार, डॉ. कुन्दन कुमार, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. एम.ई. हक सहित अनेक चिकित्सक उपस्थित थे। इसके अलावा ब्रह्मकुमारी संस्था के संजय कुमार, गया कॉलेज के एनएसएस प्रभारी राजेश कुमार मिश्रा एवं बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों और नागरिकों ने रैली में भाग लिया।

उपमुख्यमंत्री बिजेंद्र यादव से मिलीं अमेरिकी महावाणिज्य दूत, बिहार-अमेरिका के बीच सहयोग बढ़ाने पर जोर

पटना, (एजेंसी) : बिहार के उपमुख्यमंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव से सोमवार को अमेरिकी महावाणिज्य दूत कैथी जाइल्स-डियाज ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच बिहार के विकास, आर्थिक प्रगति, निवेश की संभावनाओं और द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत बनाने के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा हुई ।यह उच्चस्तरीय बैठक बिहार और अमेरिका के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने तथा आपसी संबंधों को और सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। बैठक के दौरान उपमुख्यमंत्री ने अमेरिकी महावाणिज्य दूत को बिहार की समृद्ध ऐतिहासिक विरासत, सांस्कृतिक महत्व और राज्य में चल रही विकासात्मक परियोजनाओं की जानकारी दी ।बिजेंद्र प्रसाद यादव ने राज्य में आधारभूत संरचना, शिक्षा, कृषि, उद्योग और वित्तीय प्रबंधन के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों का भी उल्लेख किया। उन्होंने बिहार में निवेश और विकास की बढ़ती संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राज्य सरकार आर्थिक विकास को नई गति देने के लिए लगातार प्रयासरत है ।बैठक के दौरान अमेरिकी महावाणिज्य दूतावास की क्षेत्रीय गतिविधियों, प्राथमिकताओं और संभावित सहयोग के क्षेत्रों पर भी विचार-विमर्श किया गया। दोनों पक्षों ने तकनीकी सहयोग, क्षमता विकास, आर्थिक साझेदारी और निवेश को बढ़ावा देने जैसे विषयों पर विशेष चर्चा की ।उपमुख्यमंत्री और कैथी जाइल्स-डियाज के बीच इस बात पर भी विचार हुआ कि बिहार की विकास आवश्यकताओं के अनुरूप नए सहयोगी अवसरों की पहचान कैसे की जाए, जिससे राज्य के आर्थिक और सामाजिक विकास को और गति मिल सके ।इस अवसर पर अमेरिकी महावाणिज्य दूत के साथ तीन सदस्यीय विशेषज्ञ प्रतिनिधिमंडल भी मौजूद रहा। प्रतिनिधिमंडल में अमेरिकी महावाणिज्य दूतावास, कोलकाता की आर्थिक मामलों की विशेषज्ञ संगीता डे चंदा, प्रेस एवं मीडिया सहायक नयनतारा श्रॉफ तथा सुरक्षा संपर्क अधिकारी अनिरुद्ध घोष शामिल थे।

के. नगर प्रखंड कार्यालय में विजिलेंस का छापा, रिश्वत लेते राजस्व कर्मचारी गिरफ्तार

पूर्णिया, (एजेंसी) : पूर्णिया के के.नगर प्रखंड कार्यालय में विजिलेंस की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए राजस्व कर्मचारी रूपक कुमार को 10 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पर दाखिल-खारिज (मोटेशन) के एक मामले को निपटाने के बदले रिश्वत मांगने का आरोप है। गिरफ्तारी के बाद प्रखंड कार्यालय में हड़कंप मच गया।

जानकारी के अनुसार, श्रीनगर प्रखंड के चनका पंचायत वार्ड संख्या-10 निवासी उमेश कुमार महतो ने अपनी पत्नी पुष्पा देवी के नाम दर्ज 4 डिसमिल 35 धूर जमीन के मोटेशन के लिए 2 मई को आवेदन दिया था। आरोप है कि आवेदन के बावजूद काम आगे नहीं बढ़ाया गया और राजस्व कर्मचारी लगातार उन्हें कार्यालय के चक्कर लगवाता रहा। शिकायतकर्ता का आरोप है कि रूपक कुमार ने पहले 15 हजार रुपये की मांग की थी, बाद में 12 हजार रुपये में बात तय हुई। रिश्वत की मांग से परेशान होकर उमेश कुमार महतो ने 24 मई को विजिलेंस में शिकायत दर्ज कराई और ऑडियो-वीडियो सहित अन्य साक्ष्य सौंपे।

शिकायत की जांच के बाद विजिलेंस ने विशेष टीम गठित की। सोमवार को आरोपी कर्मचारी ने शिकायतकर्ता को के.नगर अंचल कार्यालय बुलाया। पूर्व योजना के तहत शिकायतकर्ता 10 हजार रुपये लेकर पहुंचे, जबकि विजिलेंस की टीम सादे कपड़ों में पहले से मौजूद थी। जैसे ही आरोपी ने रुपये लेकर जेब में रखे, टीम ने छापेमारी कर उसे रंगे हाथ पकड़ लिया। तलाशी में पूरी राशि बरामद कर ली गई।

विजिलेंस के डीएसपी राजेंद्र प्रसाद ने गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया

खेत में काम कर रहे युवा किसान पर गिरी आकाशीय बिजली, मौत

टनकुप्पा गांव में शाम की बारिश के दौरान वज्रपात का हृदय कुमार (30) की मौके पर ही गई जान

परिजनों का रो-रोकर है बुरा हाल, छोटे बच्चों के सिर से उठा पिता का साया

फतेहपुर (गया जी):टनकुप्पा प्रखंड के टनकुप्पा गांव में सोमवार की शाम आकाशीय बिजली गिरने से एक युवा किसान की दर्दनाक मौत हो गई। युवा किसान हृदय कुमार (30) के साथ यह हादसा तब हुई जब वह खेत में काम कर रहा था। इस घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार टनकुप्पा गांव निवासी विजय प्रसाद कुशवाहा के 30 वर्षीय पुत्र हृदय कुमार सोमवार की शाम में करीब 4:50 बजे अपने खेत में कृषि कार्य में जुटा हुआ था। इसी दौरान अचानक मौसम ने करवट ली और हल्की बारिश शुरू हो गई। बारिश के बीच तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली गिरी, जिसकी चपेट में आने से हृदय गंभीर रूप से झुलस गया। ग्रामीणों के अनुसार वज्रपात इतना तेज था कि उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के खेतों में काम कर रहे लोग घटनास्थल पर पहुंचे और परिजनों को जानकारी दी। ग्रामीणों की मदद से हृदय को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

युवा किसान की मौत की खबर मिलते ही उसके घर में कोहराम मच गया। पत्नी, छोटे-छोटे बच्चों, माता-पिता तथा अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक परिवार का मुख्य सहारा था। वह खेती-बारी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। उसकी असमय मौत से पूरे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। ग्रामीणों ने बताया कि हृदय कुमार बेहद मिलनसार और मेहनती युवक था। वह खेती के माध्यम से परिवार की सभी जिम्मेदारियां निभाता था। घटना के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मृतक के घर पहुंचे और शोकाकुल परिजनों को सांत्वना दी। पूरे गांव में गम और सन्नाटा पसरा हुआ है।

गांवों में भी फिटनेस व खेल संस्कृति की जरूरत, पंचायत स्तर पर उठी मांग

हर पंचायत मुख्यालय में ओपन जिम, पार्क और खेल मैदान बनाने की मांग

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य और खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से फतेहपुर एवं टनकुप्पा प्रखंड के विभिन्न पंचायतों के लोगों ने प्रत्येक पंचायत मुख्यालय में ओपन जिम, पार्क और खेल मैदान विकसित करने की मांग तेज कर दी है। सामाजिक कार्यकताओं का कहना है कि शहरों की तर्ज पर गांवों में भी ऐसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए, ताकि सभी आयु वर्ग के लोग स्वस्थ जीवनशैली अपना सकें।

सामाजिक कार्यकर्ता रवि चंद्रवंशी, मिथलेश शर्मा, अरुण कुमार, अनिल यादव, राजेश सिंह, विनय सिंह, कांति यादव, किशुन पासवान और गुंजन सिंह ने बताया कि अधिकांश पंचायतों में युवाओं के लिए खेलकूद और नियमित व्यायाम की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। वहीं बुजुर्गों के लिए सुबह-शाम टहलने और समय बिताने हेतु पार्क जैसी सुविधाओं का भी अभाव है। इसके कारण लोगों की शारीरिक गतिविधियां लगातार घट रही हैं, जिसका असर उनके स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि पंचायत स्तर पर ओपन जिम, पार्क और खेल मैदान विकसित होने से युवाओं को अपनी खेल प्रतिभा निखारने का अवसर मिलेगा, नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूरी बनेगी तथा ग्रामीणों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। साथ ही बुजुर्गों और महिलाओं को भी सुरक्षित एवं बेहतर वातावरण मिलेगा। सामाजिक कार्यकताओं ने सरकार और जिला प्रशासन से इस दिशा में शीघ्र ठोस कदम उठाने की मांग करते हुए कहा कि ऐसी सुविधाएं गांवों के सामाजिक और शारीरिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

90 कंटेनरों में 2457 टन चावल लेकर रक्सौल से गुवाहाटी के लिए रवाना हुई पहली मालगाड़ी

पूर्वी चंपारण,(एेजेंसी) : पूर्व मध्य रेलवे अंतर्गत रक्सौल रेलवे जंक्शन के माल गोदाम से पहली बार गुड्स का आउटवर्ड्स मूवमेंट शुरू हुआ। रक्सौल स्थित चावल उत्पादन कंपनी रिपुराज एग्रो प्राइवेट लिमिटेड की ओर से असम के गुवाहाटी (आमीनगांव) के लिए 90 कंटेनरों में 2457 टन चावल भेजा गया ।कंपनी के निदेशक रिपु रमन ने कहा कि रक्सौल से पहली बार कंटेनर लोड होकर जाना ऐतिहासिक पहल है। उन्होंने बताया कि कॉनकॉर के सहयोग से यह संभव हो सका है ।भविष्य में हर माह 4 से 5 कंटेनर रैक देश के अलग-अलग हिस्सों के लिए भेजने की योजना है। आगे चलकर विदेशों में निर्यात होने वाले चावल की लोडिंग भी रक्सौल से की जाएगी। वहीं रेल अधिकारियों ने बताया कि इस आउटवर्ड्स मूवमेंट से रेलवे को करीब 54 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त होगा ।मौके पर स्टेशन अधीक्षक अजय राम, यातायात निरीक्षक धीरेंद्र कुमार, कॉनकोर के क्षेत्रीय अधिकारी सुमन कुमार बेहरा तथा लॉजिस्टिक कंपनी प्रतिनिधि शेखर लोहिया मौजूद रहे। अधिकारियों ने कहा कि इस पहल से रोजगार और व्यापार को भी बढ़ावा मिलेगा।

संपादकीय

गुटखा प्रतिबंधित फिर भी 42 फीसद बढ़े ओरल कैंसर के मरीज

केंद्र सरकार और राज्य सरकारों द्वारा ओरल कैंसर के मामलों को रोकने के लिए पिछले 12 वर्षों से गुटखा प्रतिबंध लागू कर रखा है। इसके बाद भी ओरल कैंसर के मरीजों की संख्या कम होने के स्थान पर साल-दर-साल बढ़ती चली जा रही है। सरकारी दावे और जमीनी हकीकत दोनों एक दूसरे के विपरीत हैं। 1 अप्रैल 2012 को मध्य प्रदेश सरकार ने गुटके पर प्रतिबंध लगाया था, उसके बाद गुटखा कंपनियों ने तुम डाल-डाल हम पात-पात की नीति अख्तियार करते हुए पैकिंग को बदल दिया। पान मसाला और तंबाकू की पैकिंग को अलग-अलग करते हुए ग्राहकों को पान मसाला के साथ तंबाकू के पैकेट को भी साथ में दिया जाने लगा, जिसके कारण सरकार ने जो प्रतिबंध लगाया था वह एक छलावा बनकर रह गया है। सरकार के आदेश पर गुटखा की पैकिंग में यह चेतावनी भी प्रकाशित की जाने लगी कि गुटखा खाना जानलेवा है। इस प्रकार प्रतिबंध लगाते समय जो सरकार ने सोचा था ठीक उसके विपरीत परिणाम देखने को मिल रहे हैं। तंबाकू और पान मसाला की पैकिंग अलग-अलग होने के कारण पहले निश्चित मात्रा में गुटखा के पाउच के साथ मिली हुई तंबाकू आती थी, लेकिन जब से पैकिंग अलग हुई है उसके बाद लोगों ने ज्यादा तंबाकू खाना शुरू कर दिया है, वह अपनी इच्छा के अनुसार पान मसाले में तंबाकू मिला लेते हैं। हाल ही में मध्य प्रदेश के जवाहरलाल नेहरू कैंसर अस्पताल के जो आंकड़े सामने आए हैं उसके अनुसार पिछले 14 वर्षों में ओरल कैंसर के मामले 42 फीसदी तक बढ़ गए हैं। हर साल इसमें वृद्धि देखने को मिल रही है। 2012 में इस अस्पताल में 1836 ओरल कैंसर के मरीज आए थे जो 2025 में बढ़कर 2614 हो गए। यह केवल एक कैंसर हॉस्पिटल का आंकड़ा है। देश में इस बीच में कई कैंसर के नए अस्पताल खुले हैं, उनमें भी ओरल कैंसर के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती चली जा रही है। कैंसर हॉस्पिटल और डॉक्टरों द्वारा इस पर चिंता व्यक्त की जा रही है। सरकार के प्रतिबंध लगाने के बाद गुटखा खाने वालों की संख्या पहले की तुलना में और ज्यादा बढ़ी है। पान मसाला और तंबाकू की अलग-अलग पैकिंग होने के कारण तंबाकू बड़े पैमाने पर खाई जा रही है। ओरल कैंसर के मरीज जो गुटखा खाते हैं कुछ समय के बाद उनका मुंह पूरा नहीं खुलता है। तंबाकू में मौजूद हानिकारक नाइट्रोसामाइंस गलों के अंदर की कोशिकाओं के डीएनए को सीधे नुकसान पहुंचाते हैं।

खुदी को कर बुलन्द इतना, कि हर तकदीर के पहले। खुदा बंदे से खुद पूछे, बता तेरी रजा क्या है।

: अकबर इलाहाबादी

प्रकृति का तमाशा भी खूब है। सृजन में समय लगता है जबकि विनाश कुछ ही पलों में हो जाता है।

:जकिया जुबैरी

रोहिणी नौतपा और बढ़ते तापमान का प्रभाव

रोहिणी नौतपा भारतीय पारंपरिक ज्योतिष और लोक मान्यताओं में ग्रीष्म ऋतु के सबसे अधिक गर्म दिनों को कहा जाता है। यह वह समय माना जाता है जब सूर्य रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करता है और लगभग 9 दिनों तक अत्यधिक गर्मी पड़ती है। इसी कारण इसे ह्लनौतपाह्व कहा जाता है – अर्थात नौ दिनों की तीव्र तपन।

सूर्य देव हर साल 25 मई को रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करते हैं। इस के साथ ही ज्येष्ठ महीने के सबसे गर्म 9 दिनों, नौतपा की शुरूआत होती है।

भारतीय परंपरा में महत्व एवं लोक मान्यता के अनुसार नौतपा के दौरान अच्छी गर्मी पड़ना मानसून के लिए शुभ माना जाता है। कहा जाता है कि यदि इन दिनों पर्याप्त गर्मी हो, तो वर्षा अच्छी होती है, किसान इसे खेती और वर्षा चक्र से जोड़कर देखते हैं। यह वैज्ञानिक नियम नहीं है, लेकिन लंबे अनुभवों के मौसम ज्ञान पर आधारित है।

ज्योतिष और लोक-परंपराओं के अनुसार, नौतपा का न तपना भारी नुकसान का संकेत माना जाता है। यदि इन 9 दिनों में गर्मी नहीं पड़ती या बारिश हो जाती है, तो मानसून चक्र प्रभावित होता है, कीट-पतंगों की संख्या बढ़ जाती है और फसलों को भारी नुकसान होने की आशंका रहती है। इन नौ दिनों में यदि बारिश हो जाय, तो कहते हे नौतपा गल गया।

नौतपा में धरती पर तेज गर्मी अपने चरम पर होती है। आमतौर पर यह अवधि मई के अंत से जून की शुरूआत तक (25 मई से 2 जून) मानी जाती है। इस दौरान तापमान तेजी से बढ़ता है, लू चलती है और दिन बेहद तपने वाले होते हैं।

नौतपा के दौरान सूर्य रोहिणी नक्षत्र में स्थित होता है , सूर्य का उत्तरी गोलार्ध की ओर अधिक झुकाव होता है। इस अवधि में सूर्य की किरणें अधिक सीधी पड़ती हैं, भूमि अत्यधिक गर्म हो जाती है, लू चलती है, तापमान वर्ष के उच्चतम स्तर पर पहुँच सकता है। इस समय पृथ्वी अपनी धुरी पर ऐसे झुकी होती है कि सूर्य की किरणें उत्तरी गोलार्ध (विशेष रूप से भारत जैसे देशों में) पर बिल्कुल सीधी और लंबवत पड़ती हैं, जिससे इन 9 दिनों में पृथ्वी पर गर्मी अपने चरम पर होती है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से इस अवधि (मई के अंत से जून की शुरूआत) के दौरान सूर्य पृथ्वी के सबसे करीब या भूमध्य रेखा के सबसे करीब होता है। पृथ्वी का अपनी कक्षा में लगभग (23.5^) झुकाव होने के कारण, सूर्य की किरणें उत्तरी गोलार्ध में बहुत कम दूरी तय करके सीधे सतह पर पहुंचती हैं। वैज्ञानिक दृष्टि से पृथ्वी और सूर्य की स्थिति, वायुमंडलीय परिस्थितियों तथा गर्म हवाओं के कारण यह समय अत्यधिक गर्म होता है।नवतपा के दौरान सावधानियाँ : दोपहर में धूप से बचें, पर्याप्त पानी पिएँ, हल्के सूती कपड़े पहनें, नींबू पानी आदि लें, बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखें।

जलवायु परिवर्तन और पृथ्वी के बढ़ते तापमान आज पूरी दुनिया के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। इसके पीछे अनेक वैज्ञानिक कारण कार्य कर रहे हैं। सरल शब्दों में समझें तो पृथ्वी का औसत तापमान लगातार बढ़ रहा है, जिससे मौसम के स्वरूप, वर्षा चक्र, समुद्र स्तर और प्राकृतिक संतुलन पर प्रभाव पड़ रहा है।

गर्मी में बढ़ते तापमान और भीषण लू (हीटवेव) के पीछे मुख्य कारण जलवायु परिवर्तन, ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन, और शहरों में पेड़ों की कटाई के कारण बढ़ता अर्बन हीट आइलैंड प्रभाव है। बढ़ते तापमान और इसके लगातार विकराल रूप लेने के प्रमुख कारण जलवायु परिवर्तन , जीवाश्म ईंधन के अत्यधिक उपयोग और वनों की कटाई के कारण कार्बन डाइऑक्साइड (उड्2) और मीथेन जैसी ग्रीनहाउस गैसें वायुमंडल में जमा हो रही हैं। ये गैसें सूर्य की गर्मी को सोख लेती हैं और उसे अंतरिक्ष में जाने से रोकती हैं, जिससे पृथ्वी का औसत तापमान बढ़ रहा है। शहरी ऊष्मा द्वीप शहरों में कंक्रीट, डामर (कोलतार) वाली सड़कें और बहुमंजिला इमारतें दिन भर गर्मी को सोख लेती हैं और रात के समय उसे छोड़ती हैं। इसके अलावा, पेड़ों की अंधाधुंध कटाई से प्राकृतिक हरियाली खत्म हो गई है। वनों की कटाई पेड़ों के कटने से छाया और प्राकृतिक वाष्पीकरण की प्रक्रिया कम हो जाती है, जिससे आसपास के वातावरण में नमी घट जाती है और तापमान में उछाल आता है।मार्च-अप्रैल और मई के महीनों में धूल भरी आंधी और हल्की बारिश से तापमान में गिरावट आती है। इनमें कमी आने और वायुमंडल में उच्च दबाव का क्षेत्र बनने से गर्म हवाएं नीचे की तरफ धकेली जाती हैं, जिससे भीषण लू की स्थिति बनती है। प्रशांत महासागर में पानी के गर्म होने से भी मौसम का चक्र प्रभावित होता है, जो भारत और अन्य क्षेत्रों में हवाओं के पैटर्न और मानसून को बदल देता है, जिससे गर्मी का प्रकोप बढ़ जाता है।

गर्मियों में बढ़ते तापमान के कारण स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव, जैसे हीटस्ट्रोक से बचने के लिए हमेशा पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं।बाहर निकलते समय सिर और चेहरे को सूती कपड़े से ढक कर रखें।

ग्रीनहाउस प्रभाव ,पृथ्वी के वायुमंडल में कुछ गैसें ऐसी होती हैं जो सूर्य से आने वाली ऊष्मा को रोककर पृथ्वी को गर्म बनाए रखती हैं। इन्हें ग्रीनहाउस गैसें कहते हैं। मुख्य ग्रीनहाउस गैसें कार्बन डाइऑक्साइड (सीओ-2), मीथेन नाइट्रस ऑक्साइड जलवाष्प, क्लोरोफ्लोरोकार्बन। इन गैसों की सामान्य मात्रा पृथ्वी पर जीवन के लिए आवश्यक है, लेकिन जब इनकी मात्रा अत्यधिक बढ़ जाती है, तब अधिक ऊष्मा वायुमंडल में फँस जाती है और पृथ्वी का तापमान बढ़ने लगता है।

जीवाश्म ईंधनों का अत्यधिक उपयोग, औद्योगिक क्रांति के बाद से मानव द्वारा कोयला, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस का अत्यधिक उपयोग किया जाने लगा।इनके जलने पर बड़ी मात्रा में सीओ-2 उत्पन्न होती है।वाहन, बिजली उत्पादन संयंत्र, उद्योग, एयर कंडीशनर और मशीनें आदि इसके मुख्य कारण है।

रासायनिक अभिक्रिया इससे वायुमंडल में सीओ-2 की मात्रा लगातार बढ़ती जा रही है। वनों की कटाई , पेड़-पौधे प्रकाश संश्लेषण द्वारा सीओ-2 को अवशोषित करते हैं और ऑक्सीजन छोड़ते हैं।जब बड़े पैमाने पर जंगल काटे जाते हैं, सीओ-2 अवशोषण कम हो जाता है, वायुमंडल में कार्बन बढ़ता है, तापमान वृद्धि तेज होती है

औद्योगीकरण और प्रदूषण, कारखानों से निकलने वाला धुआँ, रसायन और गैसें वायुमंडल को प्रदूषित करती हैं। थर्मल पावर प्लांट, सीमेंट उद्योग, स्टील उद्योग, रासायनिक उद्योग, इनसे ग्रीनहाउस गैसों के साथ-साथ सूक्ष्म कण भी निकलते हैं, जो पर्यावरण और स्वास्थ्य दोनों को प्रभावित करते हैं।

वाहनों की बढ़ती संख्या, डीजल और पेट्रोल से चलने वाले वाहन, सीओ-2, कार्बन मोनोऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड जैसी गैसें छोड़ते हैं। आज महानगरों में तापमान वृद्धि का एक बड़ा कारण कंक्रीट, डामर सड़कें, कम हरियाली, गर्मी को अधिक अवशोषित करती हैं। मीथेन गैस का बढ़ना, मीथेन सीओ-2 से कई गुना अधिक प्रभावशाली ग्रीनहाउस गैस है।

ओजोन परत में क्षति, ओजोन परत सूर्य की हानिकारक पराबैंगनी किरणों से पृथ्वी की रक्षा करती है। सीएफसी गैसों के कारण ओजोन परत कमजोर होती है। ताप संतुलन प्रभावित होता है, यूवी विकिरण बढ़ता है। पर्यावरणीय असंतुलन उत्पन्न होता है।

समुद्र और बर्फ पर प्रभाव, बढ़ते तापमान के कारण ग्लेशियर पिघल रहे हैं, ध्रुवीय बर्फ घट रही है, समुद्र स्तर बढ़ रहा है, बर्फ के पिघलने से पृथ्वी की परावर्तन क्षमता कम हो जाती है। जब बर्फ कम होती है, तो पृथ्वी अधिक ऊष्मा अवशोषित करती है।जनसंख्या वृद्धि और ऊर्जा की मांग, जनसंख्या बढ़ने से ऊर्जा खपत बढ़ती है, वाहन बढ़ते हैं, उद्योग बढ़ते हैं, प्राकृतिक संसाधनों का दोहन बढ़ता है, जिससे कार्बन उत्सर्जन में वृद्धि होती है।

समाधान एवं रोकथाम, दुनिया के कई देश जलवायु परिवर्तन रोकने के लिए मिलकर कार्य कर रहे हैं। व्यक्तिगत स्तर पर पेड़ लगाना, ऊर्जा बचाना, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग, प्लास्टिक कम करना इत्यादि शामिल हे

जलवायु परिवर्तन मुख्यतः मानव गतिविधियों के कारण उत्पन्न समस्या है। जीवाश्म ईंधनों का उपयोग, वनों की कटाई, औद्योगिक प्रदूषण और बढ़ती ऊर्जा खपत ने पृथ्वी के तापमान को तेजी से बढ़ाया है। यदि समय रहते वैज्ञानिक उपाय और पर्यावरण संरक्षण के प्रयास नहीं किए गए, तो भविष्य में इसका प्रभाव और अधिक गंभीर हो सकता है।

डॉ. सुमन शर्मा

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

गाय-गोमांस की राजनीतिः आखिरकार हम फिर वहीं पहुंच गए

चुनाव आयोग की चालबाजियों और न्यायपालिका की अनदेखी के चलते भाजपा, पश्चिम बंगाल में सत्ता पर काबिज होने में कामयाब रही। इससे राज्य के मुस्लिम अल्पसंख्यक जबरदस्त दहशत में हैं। सरकार ने हर जिले में नजरबंदी केन्द्रों का निर्माण प्रारंभ कर दिया है जिनमें बांग्लादेश के कथित घुसपैठियों को रखा जाएगा और अन्य कई बातों के अतिरिक्त, छत्रपति शिवाजी महाराज के एक विशाल स्मारक के निर्माण की बात कही है। जिस मुद्दे पर राज्य की हिन्दू आबादी अत्यंत बेचैन है वह है गाय-गोमांस के नाम पर मुसलमानों की लिंचिंग का अभियान। ईद नजदीक आने के साथ ही हिन्दू अपने गाय-बैलों को बेचने के लिए बाजार में लाए किंतु यह देखकर उन्हें बहुत निराशा हुई कि वहां गोवंश का एक भी खरीददार नहीं था। मुसलमानों ने सामूहिक रूप से यह फैसला ले लिया था कि वे ईद पर इन पशुओं की कुबार्नी नहीं देंगे। जमात-ए-इस्लामी-ए-हिन्द के प्रमुख मौलाना अरशद मदनी से लेकर असादुदीन ओवैसी जैसे राजनीतिज्ञों तक, मुस्लिम समुदाय के ज्यादातर नेताओं ने मांग की है कि गाय को बाघ की जगह राष्ट्रीय पशु घोषित किया जाए।

बाजारों में गोवंश के पशुओं को बेचने आए हिन्दुओं से मुसलमान कह रहे हैं कि ये तुम्हारी मां हैं और इन्हें तुम अपने घर पर रखो। कई गरीब किसान इन जानवरों को ईद के अवसर पर बेचने के लिए पालते हैं ताकि उन्हें इनकी अच्छी कीमत मिल सके और इस आमदनी से उन्हें अपना जीवनयापन करने में सहायता मिले। वे हताश हैं क्योंकि उस आमदनी का इस्तेमाल करने की जो भी योजना उन्होंने बना रखी थी, वह मिट्टी में मिलती नजर आ रही है। मुस्लिम समुदाय और मुस्लिम संगठनों ने गाय-गोमांस के बहाने बड़े पैमाने पर मुसलमानों की लिंचिंग की घटनाएं देखी हैं, खासतौर से पिछले 12 सालों के दौरान। मोहम्मद अखलाक से लेकर मोहम्मद जुनैद तक, पिछले कुछ सालों में 100 से अधिक लिचिंग की घटनाएं हुई हैं। इंडियास्पेन्ड के आंकड़ों से पता चलता है कि 2014 से 2018 के बीच गाय से जुड़ी हिंसा में 46 मुसलमान और दलित मारे गए।

हमें याद है कि गुजरात के ऊना में मृत गायों को उनकी खाल उतारने के लिए ले जा रहे चार दलितों को बेरहमी से पीटा गया था। इसके बाद युवा दलित नेता जिग्नेश मेवानी ने गायों की खरीद-फरोख्त को रोकने का अभियान चलाया और दलितों को भूमि आवंटित किए जाने की मांग की। गौरक्षकों द्वारा बनाया गया यह माहौल, जिसे सत्ताधारियों का संरक्षण और संघ परिवार की वैचारिक सहमति हासिल है, अत्यंत भयावह है। कई आचार्यों ने यह तक कहा कि एक गाय के जीवन का मूल्य कई मनुष्यों के जीवन से ज्यादा है। बाबा रामदेव ने गाय से जुड़े उत्पादों को बढ़ावा दिया और गौमूत्र तक बेचकर अच्छी-खासी रकम कमाई। संबित पात्रा, जो भाजपा के प्रमुख प्रवक्ता हैं, ने दावा किया कि गाय का गोबर हीरे से अधिक मूल्यवान है। उल्लेखनीय है कि वे आधुनिक चिकित्सा विज्ञान में स्नातकोत्तर हैं।

गुजरात के एक अन्य प्राध्यापक ने बेजोड़ शोध कर बताया कि गौमूत्र में सोना होता है। सोने की आसमान छूती कीमतों के बीच यह कितनी राहत पहुंचाने वाली बात है! मुस्लिम समुदाय के सामूहिक फैसले पर वापिस आएं, तो इससे पहचान की राजनीति का नतीजा गरीब किसानों को भुगतना पड़ रहा है। देखना होगा कि हिन्दुत्ववादी सरकार गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने का पवित्र निर्णय लेती है या नहीं। ऐसा होने बहुत से उन गैर-मुस्लिम व्यापारियों को नुकसान झेलना पड़ेगा जो गोमांस के निर्यात से जुड़े हुए हैं। गोमांस के प्रमुख निर्यातक हिंदू और जैन समुदायों के अभिजात वर्ग के हैं। अल कबीर एक्सपोर्ट्स प्राईवेट लिमिटेड भारत में मांस और गोमांस के सबसे बड़े निर्यातकों में से एक हैं। इनका तेलंगाना में बहुत बड़ा बूचड़खाना है। कई सूचनाओं के मुताबिक इस इकाई का मालिक सबरवाल परिवार है। अरेबियन एक्सपोर्ट्स प्राईवेट लिमिटेड बंबई का एक बड़ा मांस निर्यातक है। कई पीढ़यों से सुनील कपूर परिवार इसका स्वामी भी है और प्रबंधन भी करता आ रहा है। एम। के। आर। फ्रोजन फुड एक्सपोर्ट्स प्राईवेट लिमिटेड, जिसका मुख्यालय दिल्ली में है, के पंजाब में कई पशुवध गृह हैं। इस कंपनी का प्रबंधन मदन एबोट प्राईवेट लिमिटेड करता है जिसका मुख्यालय चंडीगढ़ में है और इसके मालिकों में अन्यों के अलावा ए। एस। बिन्द्रा परिवार भी है।

इसके अलावा मांसाहार को भी बुरा बताया जा रहा है। हम जानते हैं कि गोवा, उत्तर-पूर्व और केरल में गोमांस का सेवन बड़े पैमाने पर किया जाता है। भारत में लगभग 77 प्रतिशत जनता मांसाहारी है (83 ।4 प्रतिशत पुरुष और 70 ।6 प्रतिशत महिलाएं) जो नियमित रूप से मांस, मछली या मुर्गा खाती है। तटीय इलाकों में मछली और अन्य स्थानों पर मुर्गा और मटन आदि खाया जाता है। कई लोगों का दावा है कि ब्राम्हण मांसाहारी नहीं होते। कश्मीरी पंडित मटन के व्यंजनों का सेवन मजे से करते है। कश्मीरी व्यंजनों का सरताज रोगन जोश मटन का अत्यंत खुशबूदार व्यंजन है। बिहार में भी ब्राम्हण अन्य मांसहारी व्यंजनों के अतिरिक्त खासतौर से मटन का सेवन करते हैं।

जानबूझकर फैलाई जाने वाली इन बातों, जिन्होंने आम धारणाओं का रूप ले लिया है, से सच्चाई बहुत अलग है। ये बातें इसलिए फैलाई जाती हैं ताकि यह कुतर्क दिया जा सके कि मुसलमान मुख्यतः मांसहारी होते हैं और इसी वजह से इतने हिंसक होते हैं। बंगाल में चुनावों के दौरान, जिसमें भाजपा और ममता बनर्जी के बीच मुख्य मुकाबला था, ममता ने कहा था कि यदि भाजपा सत्ता में आई तो माछ-भात जो पसंदीदा बंगाली व्यंजन है, मिलना मुश्किल हो जाएगा। इसके जवाब में ह्यगोली मारोह्य वाले नारे के लिए कुख्यात पूर्व केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने माछ-भात खाते हुए अपना वीडियो जारी किया और कहा कि भाजपा के राज में मांसाहार पर कोई पाबंदी नहीं लगाई जाती। खानपान एक चुनावी मुद्दा बन गया है, यह तब एक बार फिर साबित हुआ जब हमारे नॉन-बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री ने बंगाल के लोगों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए झालमूडी (मुख्यतः चावल से बनने वाला एक स्थानीय व्यंजन) खाया।

हम अपने राजनैतिक अभियानों में इतने नीचे गिर गए हैं कि हम असहाय अल्पसंख्यकों के खिलाफ नफरत फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। पश्चिम बंगाल के उदाहरण से यह समझा जा सकता है कि साम्प्रदायिक राजनीतिज्ञ चुनाव जीतने के लिए कितनी ज्यादा नीचता पर उतारू हो सकते हैं। न केवल चुनाव आयोग बल्कि व्यापक सामाजिक सोच भी बहुत विकृत हो चुकी है। जहां अल्पसंख्यक पीड़ा और अभाव के बीच छटपटा रहे हैं वहीं साम्प्रदायिक राजनीति करने वाले नेता माछ-भात और झालमूडी का आनंद ले रहे हैं, और साथ ही हिंसक प्रवृत्तियों और खान पान की आदतों के बीच बेतुका संबंध कायम करने का प्रोपेगेंडा कर रहे हैं। यहां यह बताना प्रासंगिक होगा कि मानव जाति के इतिहास में सबसे बड़ा नरसंहार करने वाला एडोल्फ हिटलर अपने जीवन के उत्तरार्ध में शाकाहारी बन गया था।

राम पुनियानी

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

आईपीएल 26 का खिताब आरसीबी के नाम लेकिन भव सूर्यवंशी की शानदार बल्लेबाजी

आईपीएल के 2926 के मैच में बिहार के एक 15 वर्ष के लड़के वैभव सूर्यवंशी राजस्थान रॉयल का नाम बैटिंग में चर्चा में है निश्चित रूप अभी तक के क्रिकेट इतिहास में पहली बार इतने कम उम्र के खिलाड़ी ने जाने माने वेस्टइंडीज के ओपनर बल्लेबाज क्रिस गेल के रिकॉर्ड की बराबरी की है जो उनके हुनर और मेहनत को दशार्ता है वह बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं और उन्होंने जनवरी 2024 में प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण किया। वह भारत के सबसे कम उम्र के लिस्ट ए क्रिकेट में पदार्पण करने वाले खिलाड़ी हैं, और आईपीएल में पदार्पण करने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय खिलाड़ी भी हैं उन्होंने चार वर्ष की आयु में क्रिकेट खेलना शुरू किया। प्रारंभ में उन्हें उनके पिता ने प्रशिक्षित किया, और बाद में नौ वर्ष की आयु में उन्होंने समस्तीपुर की एक क्रिकेट अकादमी में प्रशिक्षण लेना शुरू किया। सूर्यवंशी का संबंध मुजफ्फरपुर जिला से भी गहरा रहा है, जहाँ उन्होंने एक इनडोर स्टेडियम में अभ्यास किया और अपने एक रिश्तेदार के घर पर रहते थे।सूर्यवंशी ने जनवरी 2024 में बिहार की ओर से मुंबई के खिलाफ प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण किया, उस समय उनकी आयु 12 वर्ष और 284 दिन थी। इस उपलब्धि के साथ वे बिहार के लिए रणजी ट्रॉफी खेलने वाले दूसरे सबसे कम उम्र के खिलाड़ी और भारत के चौथे सबसे कम उम्र के प्रथम श्रेणी क्रिकेटर बने। उन्होंने युवराज सिंह (15 वर्ष 57 दिन) का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जबकि अलीमुद्दीन का रिकॉर्ड अब भी कायम है, जिन्होंने 1942झ्43 सीजन में राजपुताना की ओर से 12 वर्ष और 73 दिन की आयु में पदार्पण किया था।लेकिन जब हम लोग अपने समय 1985 के दौर में खेला करते थे तो वहाँ भी उस समय नए अच्छे क्रिकेटर भी खेला करते थे मुझे याद है कि हम लोग अपने नानी घर नयागांव में खाना खाने के बाद आम के पेड़ के निचे क्रिकेट खेलते थे वहाँ भी ग्राउंड था लेकिन उसमें बहुत अच्छा खेल सिर्फ मनोरंजन के लिए हुआ करता था कुछ वहाँ के लोग देखते और शाबाशी देते थे उस समय ना हेलमेट था ना सही मजबूत जूता और पैड बस काम चल जाता था लेकिन क्रिकेट में बैटिंग और बॉलिंग दोनों करना सभी पसन्द करते थे भले ही स्पिन हो जो ऊपर क्रम के बल्लेबाज होते वो ज्यादातर स्पिन बॉलिंग ही करते ताकि थकान कम हो दरअसल क्रिकेट में दो मुख्य बैटिंग और बॉलिंग और बारी-बारी से होने वाली विधाएँ हैं, जिनमें बैटिंग करने वाली टीम के खिलाड़ी रन बनाने की कोशिश करते हैं, और फील्डिंग करने वाली टीम के बॉलर गेंद को इस तरह फेंकने की कोशिश करते हैं कि बैटर आउट हो जाएँ या रन बनाने से रुक जाएँ।हालांकि विकेटकीपिंग भी बहुत अच्छा होता है क्योंकि हमसे अगर पूछिए तो सबसे मेहनत का काम विकेटकीपिंग का होता है नयागांव से हमलोग छपरा के मैदान से एक अच्छी टीम के साथ खेलने निकलें रात भर खूब प्रैक्टिस किया और 5 बजे सुबह की ट्रेन से 2घंटे में छपरा पहुँच गए वहाँ भी टीम तैयार थी मैदान में बहुत से लोग मैच देखने आए थे हमारी टीम टॉस हार गई और पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया मेरे भाईसाहब और उनके दोस्त ने ओपनिंग की उस समय हम लोगों ने गलब्स पैड बॉल अच्छे क्वालिटी के लिए थे और एक हार्ड प्लास्टिक के कैप को अंदर डालते थे शुरूआत में एक तेज गेंदबाज ने पहली ही बॉल पर बोल्ड कर दिया और उस ओवर में मात्र 3 रन ही बना दूसरे ओवर में एक और विकेट रन आउट हो गया और 5 रन बने फिर 3 ओवर में 1और कैच आउट ठीक बाउंड्री लाइन पर हुआ 5 ओवर में तीन विकेट पर 14 रन था जैसे ही 30 रन पर एक स्टंप आउट हुआ मुझे मौका मिला खेलने का और पहली ओवर में एक कट मारा जो बाउंड्री लाइन पर रोका गया मैं लेफ्ट हैंड से बैटिंग करता था फिर हमने देखा बॉल में बहुत गति है तो छोड़ दिया और कभी वाइड तो कभी विकेटकीपर से छूटता और 4 रन बाई में मिल जाता था फिर एक बॉल आया और गलती से टच हुआ और कैच हुआ इसतरह 30 ओवर के मैच में कुल 102 रन बने दूसरी टीम को बल्लेबाजी के लिए उतरा तो उसके भी विकेट गिरते कभी स्कोर बढ़ता रहा एक समय 94 रन पर 6 विकेट था तो ऐसा लग रहा था मैच हाथ से निकल गया लेकिन हारते देख मुझे बोलिंग दिया और मेरे एक ओवर में दो फूल टॉस बॉल पर दो कैच हुआ और उस ओवर में मात्र 4 रन मिला अब दबाब बैट्समैन पर आया और 8 विकेट गिर चूंके थे अब जीत के लिए 4 रन की जरुरत थी तभी दूसरे गेंदबाज ने तेज बॉल की और एक और विकेट गिरा जो विकेटकीपर के हाथों कैच हुआ और अंतिम बल्लेबाज मात्र एक रन पर एलवीडब्लू आउट हुआ मैच 1 रन से जीत गया फिर वहाँ के विधायक ने ट्राफी दि उस दिन इतना थकने के बावजूद नींद नहीं आया बाद में पटना सिटी कॉलेज में एक ग्राउंड था वहाँ हमलोग दोस्तों के साथ मिलकर खेला करते और मेरी आदत थी बॉल को स्वीप करना कभी शून्य पर आउट कभी 50 रन के ऊपर बन जाता था एक बार पटना के मोनुलहक स्टेडियम में रेलवे और सहकारी विभाग बिहार सरकार ने एक टीम बना कर मैच कराया था जिसमें कपिलदेव, अमरनाथ, सबाकरीम, मनिंदर सिंह जैसे खिलाड़ियों ने भाग लिया जो 4 दिन तक चली और मैं वहाँ पहली बार स्टेडियम में मैच देखने गया वह समय था 1987 के विश्वकप से पहले का और मेरे सामने मनिंदर सिंह दिखे और ऑटोग्राफ लिया वहाँ और टीवी में मैच देखने का मजा अलग था बाद में जब 1991 के आसपास टेनिस बॉल का जमाना आया तो खुब मजा आया उसमें छोटे बच्चे से लेकर बड़े सभी खेलते थे मेरी बैटिंग काफी प्रैक्टिस के बाद सुधार हुआ और जब आप प्रैक्टिस करते हैं तो समझ में आता है किसे मारना है टप्पा खा कर कहाँ गिर सकती है और कैसे मारना है हमने एक बात गौर की कि उस समय यदि आईपीएल होता तो कुछ लोग को अवसर मिल सकता था क्योंकि वो सुबह से शाम तक ग्राउंड पर ही समय निकाल देते थे

संजय गोस्वामी

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सूडोकु नवताल- 7530

★☆☆☆☆ सरल

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7529 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

दैनिक पंचांग

2 जून को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

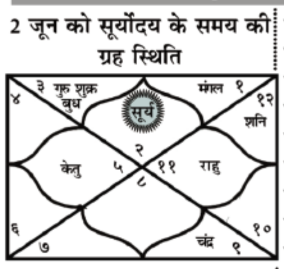

ग्रह	स्थिति
सूर्य	वृष में
चंद्र	धनु में
मंगल	मेष में
बुध	मिथुन में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	मिथुन में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक

लग्नारंभ समय	
मिथुन	06.10 बजे से
कर्क	08.24 बजे से
सिंह	10.40 बजे से
कन्या	12.52 बजे से
तुला	15.03 बजे से
वृश्चिक	17.17 ब.से
धनु	19.33 बजे से
मकर	21.38 बजे से
कुंभ	23.25 बजे से
मीन	00.58 बजे से
मेष	02.28 बजे से
वृष	04.08 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का 153 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083
शक संवत् 1948
मास ज्येष्ठ **पक्ष** कृष्ण
तिथि द्वितीया 19.02 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मूल 22.07 बजे को समाप्त।
योग साध्य 07.16 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 05.50 बजे तदनन्तर गर 19.02 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 16.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 22° 10'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872728
जूलियन दिन 2461193.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्हेज
तारीख 16

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त खबरें

वीणा विजयन की कंपनी से जुड़े ईडी जांच मामले पर सुनवाई पूरी, केरल हाईकोर्ट ने सुरक्षित रखा फैसला

कोचीन (एजेंसी) : पिनराई विजयन की बेटी वीणा टी की कंपनी से जुड़े कथित वित्तीय लेनदेन मामले में केरल हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण सुनवाई के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। अदालत ने शुक्रवार तक यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश भी दिया है।

मामला कोचीन मिनरल्स एंड रूटाइल लिमिटेड (सीएमआरएल) और वीणा टी की कंपनी एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस के बीच हुए कथित वित्तीय लेनदेन से जुड़ा है। सीएमआरएल ने हाईकोर्ट में अपील दायर कर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच पर सवाल उठाए थे। कंपनी का तर्क है कि किसी निर्धारित अपराध (प्रेडिकेट ऑफिंस) से जुड़ी प्राथमिकी या शिकायत के बिना ईडी को जांच शुरू करने का अधिकार नहीं है। ईडी की जांच आयकर विभाग के अंतरिम निपटान बोर्ड की रिपोर्ट के आधार पर शुरू हुई थी। रिपोर्ट में कहा गया था कि वर्ष 2017-18 से 2019-20 के बीच सीएमआरएल ने वीणा टी की कंपनी को लगभग 1.72 करोड़ रुपये का भुगतान किया, जिसे वैध व्यावसायिक खर्च नहीं माना जा सकता। इसके बाद ईडी ने धनशोधन निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। इससे पहले हाईकोर्ट की एकल पीठ ने सीएमआरएल की याचिका खारिज करते हुए कहा था कि समन जारी करना जांच प्रक्रिया का हिस्सा है और इस स्तर पर हस्तक्षेप उचित नहीं होगा। उसी आदेश को चुनौती देते हुए कंपनी ने यह अपील दाखिल की है। अब सभी की नजरें शुक्रवार को आने वाले हाईकोर्ट के फैसले पर टिकी हैं, जिससे इस बहुचर्चित मामले की आगे की दिशा तय हो सकती है।

भारत-ओमान व्यापार समझौता लागू, कई सामान होंगे सस्ते; निर्यात को मिलेगा बड़ा बढ़ावा

नई दिल्ली(एजेंसी) : भारत और ओमान के बीच हुआ व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) अब आधिकारिक रूप से लागू हो गया है। इस समझौते के लागू होने के साथ ही दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश को नई गति मिलने की उम्मीद है। सरकार का मानना है कि इससे भारतीय निर्यातकों को खाड़ी क्षेत्र में बड़ा बाजार मिलेगा, जबकि भारतीय उपभोक्ताओं को कुछ ओमानी उत्पाद सस्ते दामों पर मिल सकेंगे।

समझौते के तहत भारत को ओमान के 98.08 प्रतिशत टैरिफ लाइनों पर 100 प्रतिशत शुल्क-मुक्त बाजार पहुंच मिलेगी। इससे भारतीय उत्पादों की कीमतें ओमान में प्रतिस्पर्धी होंगी और निर्यात बढ़ने की संभावना है। इंजीनियरिंग सामान, दवा उद्योग, कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद, समुद्री उत्पाद, वस्त्र, रसायन, इलेक्ट्रॉनिक्स, प्लास्टिक, रत्न और आभूषण जैसे क्षेत्रों को सबसे अधिक लाभ मिलने की उम्मीद है। भारतीय कृषि क्षेत्र को भी इस समझौते से फायदा होगा। प्राकृतिक शहद, काजू, बिना हड्डी वाला मांस, बेकरी उत्पाद, चॉकलेट और अन्य खाद्य पदार्थों को ओमान में शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी। इसके अलावा भारतीय पेशेवरों के लिए भी अवसर बढ़ेंगे। लेखा, इंजीनियरिंग, चिकित्सा, सूचना प्रौद्योगिकी, शिक्षा और परामर्श जैसे क्षेत्रों में काम करने वाले भारतीयों को ओमान में बेहतर अवसर मिलने की संभावना है। वहीं भारतीय बाजार में ओमान से आने वाली कुछ वस्तुएं सस्ती हो सकती हैं। ओमानी खजूर पर विशेष रियायत दी गई है और हर साल 2,000 टन खजूर शुल्क-मुक्त आयात किए जा सकेंगे। इसके अलावा गोंद अरबिका, लोबान, संगमरमर और कुछ पेट्रोकेमिकल उत्पादों पर भी रियायतें दी गई हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह समझौता केवल व्यापार तक सीमित नहीं है, बल्कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा और खाड़ी क्षेत्र में रणनीतिक उपस्थिति को भी मजबूत करेगा। मौजूदा पश्चिम एशियाई तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े जोखिमों के बीच ओमान भारत के लिए एक महत्वपूर्ण आर्थिक और लॉजिस्टिक साझेदार बनकर उभर सकता है।

भारत और ओमान के बीच वर्ष 2025-26 में द्विपक्षीय व्यापार 11 अरब डॉलर से अधिक पहुंच चुका है। ऐसे में सीईपीए को दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को नई ऊंचाई देने वाला ऐतिहासिक कदम माना जा रहा

हिमाचल में बीजेपी का दमदार प्रदर्शन, 4 में से 3 नगर निगमों पर कब्जा; कांग्रेस के लिए बढ़ी चिंता

शिमला(एजेंसी) : हिमाचल प्रदेश में नगर निगम चुनावों के नतीजों ने राज्य की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। भारतीय जनता पार्टी ने चार में से तीन नगर निगमों में जीत दर्ज कर कांग्रेस सरकार को बड़ा झटका दिया है। चुनाव परिणामों को वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक संकेत के तौर पर देखा जा रहा है।

बीजेपी ने मंडी, धर्मशाला और सोलन नगर निगम में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्पष्ट बहुमत हासिल किया। वहीं कांग्रेस केवल पालमपुर नगर निगम को अपने पास बचाने में सफल रही। नतीजों के बाद बीजेपी नेताओं ने इसे राज्य सरकार की नीतियों के खिलाफ जनता का जनादेश बताया है। मंडी नगर निगम में बीजेपी ने 14 में से 12 वार्ड जीतकर लगातार दूसरी बार निगम पर कब्जा बरकरार रखा। कांग्रेस यहां केवल एक वार्ड जीत सकी, जबकि एक सीट निर्दलीय उम्मीदवार के खाते में गई। वहीं धर्मशाला में भी बीजेपी ने बढ़त बनाते हुए कांग्रेस को पीछे छोड़ दिया। सोलन में भी भाजपा को स्पष्ट सफलता मिली। पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू सरकार को जनता ने कड़ा संदेश दिया है। उनका दावा है कि कांग्रेस सरकार के वादों और कामकाज से लोग संतुष्ट नहीं हैं। दूसरी ओर कांग्रेस नेताओं का कहना है कि स्थानीय मुद्दों के आधार पर चुनाव हुए हैं और इन्हें विधानसभा चुनाव का संकेत मानना जल्दबाजी होगी।

एनएफएचएस-6 रिपोर्ट पर सवाल, कई अहम स्वास्थ्य संकेतकों की गैरमौजूदगी पर उठी बहस

नई दिल्ली(एजेंसी) : देश के सबसे बड़े स्वास्थ्य सर्वेक्षण राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-6) की हालिया रिपोर्ट को लेकर नई बहस शुरू हो गई है। रिपोर्ट में कुछ ऐसे महत्वपूर्ण संकेतक शामिल नहीं किए गए हैं, जिनके जरिए केंद्र सरकार की प्रमुख योजनाओं के प्रदर्शन का आकलन किया जा सकता था। इस मुद्दे को लेकर स्वास्थ्य विशेषज्ञों और नीति विश्लेषकों ने चिंता जताई है।

रिपोर्ट के अनुसार, इस बार स्वच्छ ईंधन की उपलब्धता, जन्म के समय लिंगानुपात, शिशु एवं बाल मृत्यु दर और एनीमिया जैसे कई प्रमुख आंकड़े प्रकाशित नहीं किए गए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि स्वच्छ ईंधन से जुड़ा डेटा प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना और खुले में शौच से जुड़े आंकड़े स्वच्छ भारत मिशन की वास्तविक स्थिति को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते थे। हालांकि रिपोर्ट में गैर-संचारी रोगों को लेकर चिंता बढ़ाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। सर्वेक्षण के मुताबिक देश में मोटापा, मधुमेह और उच्च रक्तचाप के मामलों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है। 15 वर्ष से अधिक आयु की लगभग 30.7 प्रतिशत महिलाएं और 27.3 प्रतिशत पुरुष मोटापे की श्रेणी में पहुंच चुके हैं। साथ ही, बड़ी संख्या में लोग अब भी कम वजन की समस्या से जूझ रहे हैं, जिससे ह्लदोहरी स्वास्थ्य चुनौतीह्व की स्थिति बन रही है। रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि छह महीने तक केवल स्तनपान कराने की दर में गिरावट आई है। वहीं 6 से 23 महीने की आयु के केवल 15.3 प्रतिशत बच्चों को पर्याप्त और संतुलित आहार मिल पा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार यह स्थिति भविष्य में कुपोषण और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं को बढ़ा सकती है। हालांकि स्वास्थ्य बीमा कवरेज, संस्थागत प्रसव और गर्भावस्था जांच जैसी सेवाओं में सुधार दर्ज किया गया है, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था में अभी भी कई बड़ी चुनौतियां बनी हुई हैं। एनएफएचएस-6 के कुछ प्रमुख संकेतकों के गायब रहने से रिपोर्ट की पारदर्शिता और नीति निर्माण में उसकी उपयोगिता को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।

अमृतसर की चारदीवारी में मांस बिक्री पर रोक को हाईकोर्ट में चुनौती, पंजाब सरकार से मांगा जवाब

चंडीगढ़(एजेंसी) : पंजाब के अमृतसर की चारदीवारी वाले इलाके में मांस, मछली और उससे जुड़े उत्पादों की बिक्री पर लगाए गए प्रतिबंध को लेकर कानूनी लड़ाई शुरू हो गई है। इस मामले में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने पंजाब सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 22 जून तय की है।

यह याचिका कुलदीप फिश कंपनी नामक थोक कारोबारी की ओर से दायर की गई है, जो लंबे समय से मछली और कच्चे मांस के व्यापार से जुड़ा है। याचिकाकर्ता ने राज्य सरकार की उस अधिसूचना को चुनौती दी है, जिसके तहत अमृतसर की चारदीवारी, श्री आनंदपुर साहिब और तलवंडी साबो को ह्लपवित्र शहरह्व घोषित किया गया था। इसके बाद इन क्षेत्रों में मांस, मछली और मांस उत्पादों की बिक्री और उपयोग पर रोक लगा दी गई। याचिका में कहा गया है कि सरकार के इस फैसले का कोई स्पष्ट कानूनी आधार नहीं है। कारोबारियों का तर्क है कि ह्लपवित्र शहरह्व और ह्लचारदीवारी क्षेत्रह्व जैसी परिभाषाएं किसी कानून में स्पष्ट रूप से निर्धारित नहीं हैं, फिर भी इनके आधार पर व्यापार पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया। याचिकाकर्ता ने इसे संविधान के अनुच्छेद 14, 19 और 21 के तहत मिले समानता, व्यवसाय करने की स्वतंत्रता और आजीविका के अधिकार का उल्लंघन बताया है। कारोबारियों का यह भी कहना है कि प्रतिबंध से पहले न तो कोई पुनर्वास नीति बनाई गई और न ही प्रभावित दुकानदारों को वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराया गया। उनका आरोप है कि प्रशासन ने कई दुकानों को सील कर दिया, जिससे सैकड़ों परिवारों की रोजी-रोटी पर संकट खड़ा हो गया है। गौरतलब है कि पंजाब सरकार ने धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व को देखते हुए अमृतसर की चारदीवारी वाले क्षेत्र को ह्लपवित्र शहरह्व घोषित किया था। इसके बाद जिला प्रशासन ने मांस, शराब, तंबाकू और अन्य नशीले पदार्थों के उत्पादन, भंडारण और बिक्री पर प्रतिबंध लागू कर दिया था। यह आदेश फिलहाल 7 जुलाई 2026 तक प्रभावी है। अब इस मामले पर सबकी निगाहें हाईकोर्ट की सुनवाई पर टिकी हैं, क्योंकि अदालत का फैसला धार्मिक भावनाओं, प्रशासनिक अधिकारों और व्यापारियों के संवैधानिक अधिकारों के बीच संतुलन तय करने में अहम माना जा रहा है।

म्यांमार सीमा पर सुरक्षा और शरणार्थियों का मुद्दा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने म्यांमार के राष्ट्रपति से जताई चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी) : भारत और म्यांमार के बीच द्विपक्षीय संबंधों को लेकर सोमवार को नई दिल्ली में उच्चस्तरीय वार्ता हुई। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने म्यांमार के राष्ट्रपति मिन आंग ह्लाइंग के साथ सीमा सुरक्षा, शरणार्थियों की आवाजाही और सशस्त्र समूहों की गतिविधियों जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। विदेश मंत्रालय के अनुसार, प्रधानमंत्री ने भारत-म्यांमार सीमा के आसपास सक्रिय उग्रवादी और सशस्त्र संगठनों की गतिविधियों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इनका असर भारत के सीमावर्ती क्षेत्रों और स्थानीय समुदायों पर पड़ रहा है।

बैठक में दोनों नेताओं ने सीमा प्रबंधन को और मजबूत बनाने, अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने तथा शरणार्थियों से जुड़े मुद्दों पर सहयोग बढ़ाने पर भी चर्चा की। प्रधानमंत्री ने म्यांमार में रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और उनके हितों की रक्षा का मुद्दा भी उठाया। दोनों देशों के बीच संपर्क परियोजनाओं, व्यापार, ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिज संसाधनों और तकनीकी सहयोग को आगे बढ़ाने पर भी सहमति बनी। इसके अलावा साइबर अपराध, मानव तस्करी और ऑनलाइन ठगी के नेटवर्क के खिलाफ संयुक्त प्रयासों को तेज करने पर जोर दिया गया। यह मुलाकात ऐसे समय हुई है जब म्यांमार आंतरिक संघर्ष और राजनीतिक अस्थिरता से गुजर रहा है। भारत ने स्पष्ट किया है कि वह पड़ोसी देश के साथ संवाद और सहयोग की नीति जारी रखेगा, क्योंकि क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता दोनों देशों के साझा हितों से जुड़ी हुई है

पश्चिम एशिया संकट के बीच केंद्र का भरोसा, देश में खाद्यान्न और उर्वरकों का पर्याप्त भंडार

नई दिल्ली(एजेंसी) : पश्चिम एशिया में जारी तनाव और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर पड़ रहे असर के बीच केंद्र सरकार ने देशवासियों को आश्वस्त किया है कि भारत में खाद्यान्न, खाद्य तेल और उर्वरकों का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। सरकार ने कहा है कि आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति और कीमतों की लगातार निगरानी की जा रही है तथा फिलहाल किसी तरह की कमी या असामान्य मूल्य वृद्धि की स्थिति नहीं है।

नई दिल्ली में आयोजित अंतर-मंत्रालयी बैठक में अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय पूल में गेहूं और चावल का भंडार निर्धारित बफर मानकों से काफी अधिक है। सरकार के अनुसार 28 मई तक गेहूं का भंडार 513 लाख मीट्रिक टन और चावल का भंडार 397 लाख मीट्रिक टन रहा, जो खाद्य सुरक्षा योजनाओं और बाजार हस्तक्षेप के लिए पर्याप्त है।

सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि खरीफ सीजन के लिए उर्वरकों की उपलब्धता मजबूत और स्थिर बनी हुई है। उर्वरक विभाग के अनुसार देश में मौजूदा उर्वरक भंडार आवश्यकता से अधिक है और कुल मांग का 50 प्रतिशत से ज्यादा स्टॉक पहले से उपलब्ध है। घरेलू उत्पादन और आयात के जरिए आपूर्ति को लगातार मजबूत किया जा रहा है।

अधिकारियों ने बताया कि खाद्य तेलों की आपूर्ति भी सामान्य बनी हुई है। इंडोनेशिया, मलेशिया, रूस, यूक्रेन, अर्जेंटीना और ब्राजील जैसे देशों से आयात जारी है। सरकार ने कहा कि पश्चिम एशिया में तनाव के बावजूद देश की खाद्य और उर्वरक सुरक्षा पूरी तरह नियंत्रण में है तथा किसानों और उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी।

दिल्ली में 10 लाख से अधिक पिंक सहेली कार्ड जारी, महिलाओं की डिजिटल यात्रा को मिला बड़ा बढ़ावा

नई दिल्ली(एजेंसी) : दिल्ली में महिलाओं की सुरक्षित और सुविधाजनक सार्वजनिक परिवहन यात्रा को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई ह्यपिंक सहेली कार्डह्ण योजना को बड़ी सफलता मिली है। दिल्ली सरकार ने जानकारी दी है कि अब तक 10 लाख से अधिक पिंक सहेली कार्ड जारी किए जा चुके हैं, जिससे यह देश के सबसे तेज डिजिटल मोबिलिटी कार्यक्रमों में शामिल हो गया है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सरकार में परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि यह पहल महिलाओं को डिजिटल और निर्बाध यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि पिंक सहेली कार्ड के जरिए महिलाएं दिल्ली की बसों में मुफ्त यात्रा का लाभ डिजिटल माध्यम से प्राप्त कर रही हैं। इससे टिकट वितरण प्रणाली अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनी है।

सरकार के अनुसार, यह कार्ड पूरी तरह डिजिटल तकनीक पर आधारित है और इससे महिलाओं को यात्रा के दौरान बार-बार कागजी टिकट लेने की आवश्यकता नहीं पड़ती। योजना का उद्देश्य सार्वजनिक परिवहन में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना और उन्हें अधिक सुरक्षित एवं सुविधाजनक यात्रा अनुभव प्रदान करना है।

परिवहन विभाग ने बताया कि कार्ड वितरण अभियान को राजधानी के विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ाया गया, जिसके चलते कम समय में 10 लाख का आंकड़ा पार किया गया। अधिकारियों का कहना है कि आने वाले समय में इस व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाया जाएगा तथा डिजिटल सेवाओं का दायरा बढ़ाया जाएगा।

सरकार का मानना है कि इस पहल से महिलाओं की आवाजाही आसान होने के साथ-साथ सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था में तकनीकी सुधार और पारदर्शिता भी बढ़ेगी।

फर्जी हस्ताक्षर मामले में अभिषेक बनर्जी की मुश्किलें बढ़ीं, 48 घंटे में दूसरी बार घर पहुंची सीआईडी

कोलकाता(एजेंसी) : तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। पश्चिम बंगाल की अपराध जांच विभाग (सीआईडी) की टीम सोमवार को 48 घंटे के भीतर दूसरी बार उनके कोलकाता स्थित आवास पहुंची। यह कार्रवाई कथित फर्जी हस्ताक्षर मामले की जांच के सिलसिले में की गई। अधिकारियों के अनुसार, सीआईडी की टीम शाम करीब साढ़े पांच बजे कालीघाट स्थित आवास पर पहुंची और जांच के तहत परिसर की वीडियोग्राफी भी कराई।

जानकारी के मुताबिक, यह मामला तृणमूल कांग्रेस के कुछ विधायकों के कथित फर्जी हस्ताक्षरों से जुड़ा है। आरोप है कि विधानसभा सचिवालय को भेजे गए एक पत्र में कुछ विधायकों के हस्ताक्षरों का गलत तरीके से इस्तेमाल किया गया। इसी मामले की जांच के लिए सीआईडी ने अभिषेक बनर्जी को पूछताछ के लिए नोटिस जारी किया था।

हालांकि अभिषेक बनर्जी ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए जांच एजेंसी से 15 दिन का समय मांगा है। इससे पहले शनिवार को भी सीआईडी की टीम उनके आवास पहुंची थी और उन्हें भवानी भवन स्थित मुख्यालय में पेश होने का नोटिस सौंपा था।

बताया जा रहा है कि हाल ही में दक्षिण 24 परगना जिले के सोनारपुर में एक कथित चुनाव बाद हिंसा पीड़ित से मुलाकात के दौरान अभिषेक बनर्जी पर हमला भी हुआ था, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में उपचार कराना पड़ा। इस पूरे घटनाक्रम ने पश्चिम बंगाल की राजनीति में नया विवाद खड़ा कर दिया है और मामले को लेकर सियासी बयानबाजी भी तेज हो गई है।

महाराष्ट्र में महायुति में बढ़ी तकरार, विधान परिषद चुनाव से पहले सामने आया अंदरूनी संघर्ष

मुंबई(एजेंसी) : महाराष्ट्र में विधान परिषद और स्थानीय निकाय चुनावों से पहले सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के भीतर मतभेद खुलकर सामने आने लगे हैं। खासतौर पर शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) और भारतीय जनता पार्टी के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर नाराजगी दिखाई दे रही है।

शिवसेना के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री अब्दुल सत्तार ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि गठबंधन में उनके दल को कमजोर किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि नगर निगम और जिला परिषद चुनावों में भाजपा अपने उम्मीदवारों को आगे बढ़ा रही है और सहयोगी दलों की राजनीतिक जमीन कम करने की कोशिश कर रही है। यहां तक कि उन्होंने कहा कि ह्लबड़ा भाई ही हमें खत्म करने पर आमादा हैह्व विवाद उस समय और बढ़ गया जब अब्दुल सत्तार के बेटे समीर सत्तार ने छत्रपति संभाजीनगर सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में नामांकन दाखिल कर दिया। इस सीट पर महायुति ने आधिकारिक तौर पर भाजपा के सुहास शिरसाट को उम्मीदवार बनाया है। अब्दुल सत्तार ने दावा किया कि कार्यकर्ताओं और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के दबाव के कारण यह फैसला लिया गया। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि विधान परिषद चुनाव से पहले सीटों को लेकर भाजपा, शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के बीच खींचतान बढ़ रही है। नाशिक, छत्रपति संभाजीनगर और कोंकण क्षेत्र की कुछ सीटों को लेकर भी गठबंधन सहयोगियों के बीच असहमति की खबरें सामने आई हैं। मामला शीर्ष नेतृत्व तक पहुंचने की चर्चा है।

पेपर लीक मुद्दे पर छात्रों के बीच पहुंचे आप नेता संजय सिंह, अधिकारियों से हुई तीखी बहस

प्रयागराज (एजेंसी) : आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह एक बार फिर परीक्षा पेपर लीक के मुद्दे को लेकर चर्चा में हैं। प्रयागराज के सर्किट हाउस में छात्रों के साथ आयोजित संवाद कार्यक्रम के दौरान उनकी पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ तीखी बहस हो गई। यह पूरा घटनाक्रम उस समय सामने आया जब छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित पेपर लीक और परीक्षा व्यवस्था में गड़बड़ियों को लेकर अपनी समस्याएं रख रहे थे।

बताया जा रहा है कि कार्यक्रम के दौरान कुछ वरिष्ठ पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी सभा स्थल पर पहुंचे और संजय सिंह से अलग हटने या कार्यक्रम की प्रक्रिया को लेकर बातचीत करने की कोशिश की। इस पर संजय सिंह ने कड़ा विरोध जताया और अधिकारियों से सवाल किया कि छात्रों से जुड़े इतने महत्वपूर्ण मुद्दे पर चर्चा में हस्तक्षेप क्यों किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि लाखों छात्रों के भविष्य से जुड़े विषय पर आवाज उठाने की कोशिशों को दबाया जा रहा है। संवाद के दौरान छात्रों ने भी परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता, पेपर लीक की घटनाओं और भर्ती परीक्षाओं में बढ़ती अनियमितताओं को लेकर चिंता व्यक्त की। संजय सिंह ने छात्रों को आश्वस्त करते हुए कहा कि उनकी समस्याओं को मजबूती से उठाया जाएगा और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग जारी रहेगी। पेपर लीक और परीक्षा अनियमितताओं को लेकर देशभर में लगातार सवाल उठ रहे हैं। ऐसे माहौल में प्रयागराज में हुई यह बहस एक बार फिर शिक्षा व्यवस्था और परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता को लेकर नई चर्चा का कारण बन गई है।

सीबीएसई की डिजिटल मूल्यांकन प्रणाली पर सवाल, कोएम्प्ट एडुटेक पर हो सकती है बड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली(एजेंसी) : सीबीएसई की नई ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। उत्तर पुस्तिकाओं के स्कैन में गड़बड़ी, गलत कॉपियां अपलोड होने और तकनीकी खामियों की शिकायतों के बाद अब शिक्षा मंत्रालय और सीबीएसई दोनों मामले की जांच में जुट गए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस पूरी प्रक्रिया को संभालने वाली हैदराबाद की कंपनी कोएम्प्ट एडुटेक के खिलाफ आर्थिक दंड से लेकर अनुबंध रद्द करने तक की कार्रवाई पर विचार किया जा रहा है।बताया जा रहा है कि सीबीएसई को अब तक लगभग 5,000 धुंधली स्कैन की गई उत्तर पुस्तिकाओं और 20 से अधिक ऐसे मामलों की जानकारी मिली है, जिनमें छात्रों को किसी दूसरे छात्र की उत्तर पुस्तिका दिखाई गई। अधिकारियों के अनुसार एक विशेष समिति इन गड़बड़ियों की गंभीरता का आकलन कर रही है और उसी आधार पर जुमार्ने की राशि तय की जा सकती है। रिपोर्ट्स में यह भी सामने आया है कि सीबीएसई के टेंडर दस्तावेजों में समय-समय पर बदलाव किए गए थे। स्कैनिंग गुणवत्ता से जुड़े कुछ मानकों को कम किया गया और दंड संबंधी प्रावधानों में भी संशोधन हुआ। विपक्षी दलों ने इसे लेकर सवाल उठाए हैं और पूरी प्रक्रिया की स्वतंत्र जांच की मांग की है। वहीं केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने माना है कि ओएसएम प्रणाली में कुछ विसंगतियां सामने आई हैं। उन्होंने आश्वासन दिया है कि छात्रों की शिकायतों का समाधान किया जाएगा और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। हालांकि सीबीएसई ने कंपनी को अनुबंध देने में किसी भी प्रकार की अनियमितता से इनकार किया है। बोर्ड का कहना है कि पूरी प्रक्रिया सामान्य वित्तीय नियमों के तहत हुई और मूल्यांकन पोर्टल पूरी तरह सुरक्षित है। सीबीएसई ने यह भी स्पष्ट किया है कि सोशल मीडिया पर जिस पोर्टल के ह्लहैकह्व होने की बात कही गई, वह केवल परीक्षण मंच था, वास्तविक मूल्यांकन प्रणाली नहीं। इस बीच शिक्षा मंत्रालय ने मामले की निगरानी तेज कर दी है। सूत्रों के अनुसार, यदि जांच में गंभीर लापरवाही या अनुबंध की शर्तों का उल्लंघन सामने आता है तो कंपनी पर भारी जुमार्ना, भुगतान में कटौती, भविष्य के सरकारी ठेकों से प्रतिबंध या अनुबंध समाप्त करने जैसी कार्रवाई की जा सकती है।

2-06-2026 T.P. Page 8_Layout 1 02-06-2026 08:05 Page 1

एयर होस्टेस, कमर्शियल पायलट बनकर

संवारे करियर

अगर आप 12वीं के बाद अपने कॅरियर को नई दिशा देना चाहते हैं, तो इसके लिए आपको कुछ शॉर्ट टर्म कोर्स या सर्टिफिकेट कोर्स कर सकते हैं।

इसमें अच्छा पैसा और काफी अवसर हैं। वहीं आज के दौर में इनकी काफी मांग है।

एयर होस्टेस

वहीं एयर होस्टेस की नौकरी भी अच्छी मानी जाती है। अच्छी बात यह है कि एयर होस्टेस की नौकरी के लिए आपको किसी खास तरह की डिग्री की जरूरत नहीं होती है। 12वीं पास करने के बाद और कुछ शारीरिक मापदंडों को पूरा करने के बाद आप यह नौकरी पा सकते हैं।

कमर्शियल पायलट

एविएशन सेक्टर में बढ़ती ग्रोथ देखते हुए कमर्शियल पायलट की भी मांग लगातार बढ़ रही है। यही कारण है कि भारत में कमर्शियल पायलट लाइसेंस लेने वालों की संख्या में साल दर साल इजाफा हो रहा है।

इसके लिए अभ्यर्थी को किसी भी डिग्री की जरूरत नहीं है। इस फील्ड में अपना कॅरियर बनाने के लिए साइंस स्ट्रीम से न्यूनतम 50% अंकों से 12वीं पास अभ्यर्थी कर्मशियल पायलट बन सकते हैं। इसके लिए अभ्यर्थियों को फ्लाइंग स्कूल में एडमिशन के लिए एंट्रेस टेस्ट देना होगा और कर्मशियल पालयट का लाइसेंस भी लेना होगा।

उड़द दाल की बनाएं चटपटी बड़ी, सब्जी में डालते ही स्वाद हो जाएगा जबरदस्त, नोट करें रेसिपी

उड़द की दाल तो आपने जरूर खाई होगी। उड़द की दाल से वैसे तो कई व्यंजन बनते हैं, जैसे दही बड़े, सांभर वाला वड़ा लेकिन क्या आपने इसकी बनी बड़ी खाई है। कई जगहों पर उड़द की दाल की बड़ी बनाकर लोग बिजनेस भी करते हैं। उड़द की बड़ी कई मसालों को मिलाकर बनाई जाती है और इसकी सब्जी लोग बड़े चाव से खाते हैं। अगर आपको दाल खाना पसंद न हो तो आप इसकी सब्जी बनाकर खा सकते हैं। इसके अलावा आलू-टमाटर के साथ भी इसकी सब्जी बनाई जाती है। इतना ही नहीं उड़द की दाल में कॉपर, पोटैशियम, विटामिन बी 1 और जिंक जैसे तत्व होते हैं, ऐसे में ये बड़ियां खाने से सेहत को भी कई फायदे होते हैं। चलिए आपको उड़द दाल की बड़ी बनाने की विधि बताते हैं।

बनाने के लिए सामग्री

किलो- उड़द दाल, 1/2 कटोरी सूखी धनिया, 2 बड़े चम्मच- साबुत काली मिर्च, 2 चम्मच- सौंफ, 1 टेबलस्पून- साबुत जीरा, 1 छोटा चम्मच- पिसी हुई काली मिर्च, 1 चम्मच- पिसा हुआ धनिया, 1/2 चम्मच- हींग, 8 से 10 बड़ी इलायची, 10 से 12- छोटी इलायची, 5 से 6- लौंग।

कैसे बनाएं

उड़द की दाल को रात में भिगोकर रख दें। दाल कम से कम 8 घंटे तक भीग जाए, जिससे ये अच्छे से फूल जाए। दाल को सुबह अच्छे से धोकर मिक्सी में हल्का दरदरा पीस लें। दाल के पेस्ट को कटोरे में निकाल लें। अब आपको सभी मसालों को तवे या कड़ाही पर भून लें और फिर इन्हें मिक्सी में पीसकर पाउडर बना लें। इसके बाद मसाला पाउडर आपको पिसी हुई उड़द की दाल में मिलाना है। इस पेस्ट को अच्छे से मिक्स करें, जिससे पूरा मसाला पूरी दाल में फैल जाए। फिर एक थाली या साफ पन्नी लें और इस पर घी या तेल हल्का सा लगा लें। अब दाल वाले पेस्ट को छोटे-छोटे टुकड़े में थाली या पन्नी पर पकोड़ी की तरह गिराएं। बड़ी को बनाते समय थोड़ा स्पेस दें, ताकि ये आपस में चिपके नहीं। 5-6 दिन आप बड़ियों को धूप या पंखे की हवा में सूखने के लिए रखें। फिर एयरटाइट डिब्बे में बंद करके रखें। सब्जी बनाने के लिए इनका इस्तेमाल करें।

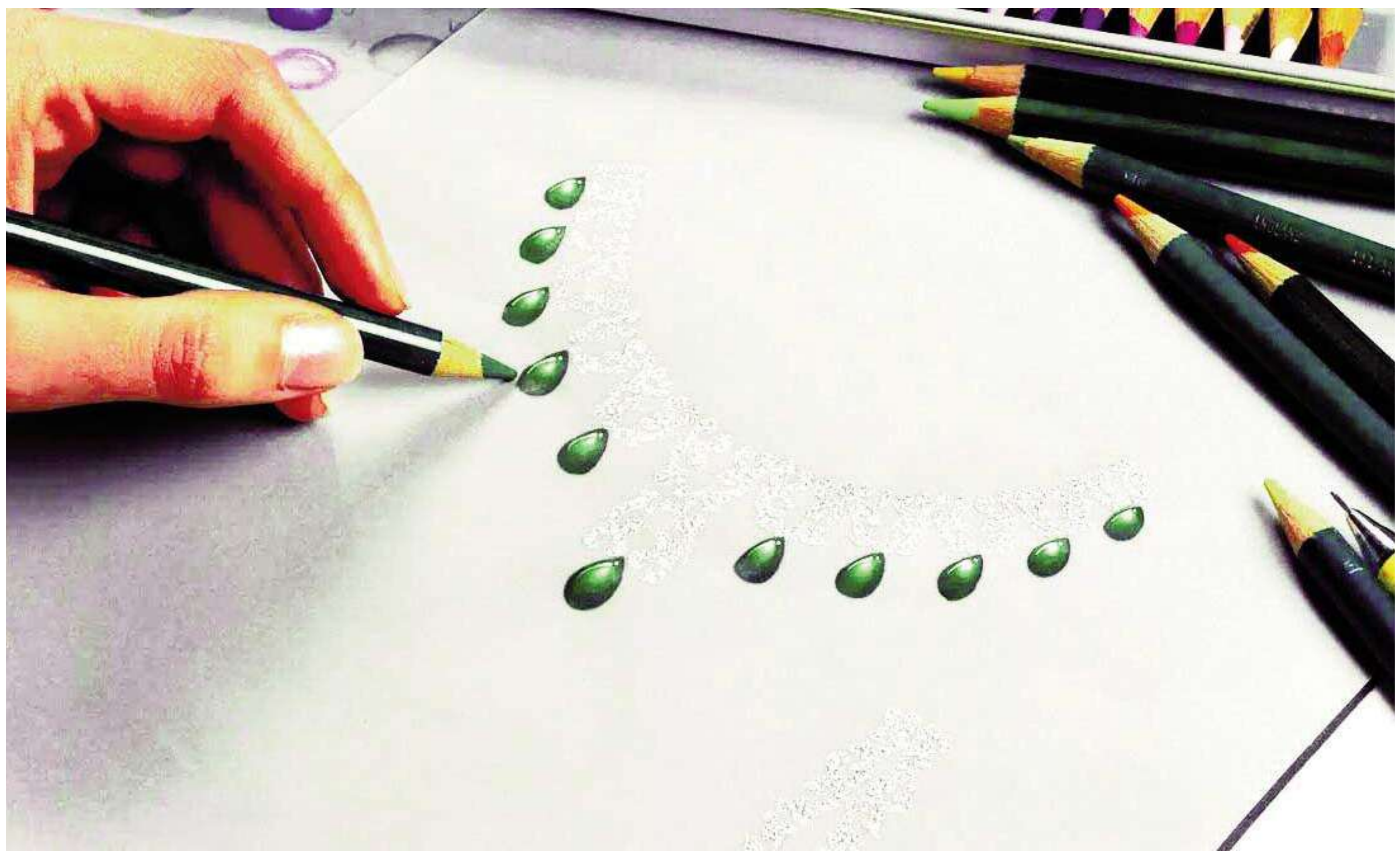

अगर आप किसी अलग क्षेत्र में कॅरियर बनाना चाहते हैं तो ज्वेलरी डिजाइन का है। ज्वेलरी डिजाइन के क्षेत्र में उतरें। इसमें आप किसी बड़ी डिग्री के बिना भी एक अच्छा पैकेज हासिल कर सकते हैं। इसमें सुंदरता, कारीगरी और रचनात्मकता को अधिक महत्व दिया जाता है।

ज्वेलरी डिजाइन के क्षेत्र में बनाये करियर

ज्वेलरी डिजाइन कोर्स सिर्फ अंगूठी या नेकलेस का डिजाइन बनाने से कहीं ज्यादा है। इसमें ज्वेलरी के सांस्कृतिक महत्व को समझने के साथ, फंक्शन, मटेरियल, फॉर्म और मार्केट की मांग को ध्यान में रखना शामिल है। ज्वेलरी डिजाइन में कलात्मक अभिव्यक्ति का विशेष स्थान होता है। लेकिन इसके साथ तकनीकी ज्ञान होना भी बहुत जरूरी होता है। इन कोर्स में छात्रों को धातु-रत्नों से लेकर कंप्यूटर आधारित डिजाइन तकनीकों के बारे में शिक्षा दी जाती है। इसमें 3डी मॉडलिंग, जेमोलॉजी और बहुमूल्य धातुओं की केमेस्ट्री भी सिखाई जाती है। यह कोर्स छात्रों को तकनीकी ज्ञान और रचनात्मकता के बीच संतुलन बनाना सिखाता है। इसके जरिए छात्र खुद को मार्केट के हिसाब से तैयार करते हैं। बता दें कि ज्वेलरी डिजाइनर सिर्फ आभूषण के डिजाइन पर ही नहीं बल्कि फैशन के रुझान और उपभोक्ता के व्यवहार की समझ होनी जरूरी है। इस कोर्स में वैश्विक बाजार, फैशन ट्रेंड्स और खरीददार की मानसिकता जैसी चीजों पर ध्यान दिया जाता है। इससे स्टूडेंट्स ऐसे आभूषण डिजाइन कर सकते हैं, जो दिखने में सुंदर और आकर्षक होने के साथ ही उपभोक्ता और बाजार के रुझानों में भी फिट हों। स्टूडेंट्स आभूषण स्टाइलिस्ट, जेमोलॉजिस्ट, आभूषण डिजाइनर, मर्चेंडाइजर और उद्यमी के तौर पर अपने कॅरियर को नई दिशा दे सकते हैं। स्टूडेंट्स डिजिटल मार्केटिंग और ई कॉमर्स के बढ़ते क्षेत्र के माध्यम से ज्वेलरी डिजाइनर ई-सेलर के तौर पर वैश्विक स्तर पर अपनी पहुंच बना सकते हैं। इसके जरिए छात्र न सिर्फ विदेश बल्कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए अपने उत्पादों को बेच सकते हैं।

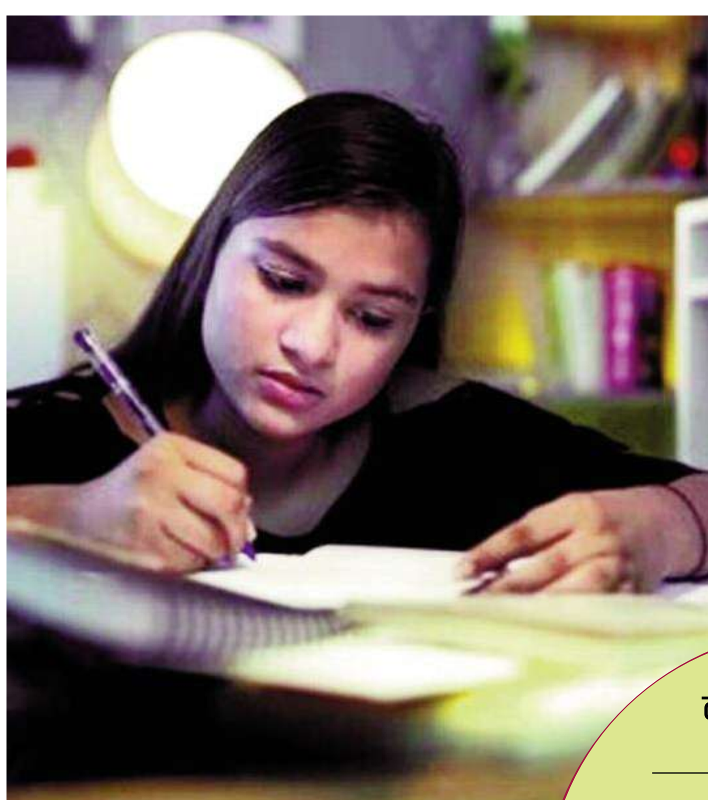

बच्चा बोर्ड एग्जाम देने वाला है, तो एक बार जरूर बता दें ये बातें, पेरेंटिंग कोच ने दी सलाह!

बोर्ड परीक्षा को आसान बनाने के लिए बच्चों को कुछ जरूरी बातें समय रहते समझा देनी चाहिए। इससे ना सिर्फ बच्चे का मन शांत होता है, बल्कि अपनी तैयारी पर भरोसा रखते हुए परीक्षा में बेहतर परफॉर्म भी कर पाता है।

बोर्ड एग्जाम नजदीक आ रहे हैं। ऐसे में जो बच्चे इस बार एग्जाम में बैठने वाले हैं, उन पर पढ़ाई और अच्छे नंबर को लेकर दवाब बढ़ना स्वाभाविक है। कई बार यह प्रेशर इतना ज्यादा हो जाता है कि बच्चा अपने ही आत्मविश्वास पर भी शक करने लगता है। पेरेंटिंग कोच पुष्पा शर्मा कहती हैं कि ऐसे समय में पेरेंट्स की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है, क्योंकि उनके सही मोटिवेशन और मार्गदर्शन से ना सिर्फ बच्चे का स्ट्रेस लेवल कम होता है, बल्कि उसका आत्मविश्वास भी बढ़ता है। उनका मानना है कि बोर्ड परीक्षा को आसान बनाने के लिए बच्चों को कुछ जरूरी बातें समय रहते समझा देनी चाहिए। इससे ना सिर्फ बच्चे का मन शांत होता है, बल्कि अपनी तैयारी पर भरोसा रखते हुए वो परीक्षा में बेहतर परफॉर्म भी कर पाता है। चलिए जानते हैं-

समझाएं कंसिस्टेंसी और फोकस का महत्व

पेरेंटिंग कोच बताती हैं कि सफलता का सबसे सरल रास्ता है नियमित अभ्यास और लक्ष्य पर फोकस। बच्चे को यह समझाना जरूरी है कि रोज थोड़ा-थोड़ा पढ़ने से याद भी अच्छा रहता है और दिमाग पर दबाव भी नहीं पड़ता। जब बच्चा सही दिशा में लगातार मेहनत करता है, तो उसका आत्मविश्वास भी मजबूत होता है और वह परीक्षा का सामना बिना घबराहट के कर पाता है।

> **कम समय में भी अच्छा सीखना संभव है**
>
> कोच पुष्पा शर्मा का कहना है कि सफल होने के लिए देर तक पढ़ना जरूरी नहीं है। बल्कि जरूरी यह है कि बच्चा जिस समय पढ़े, पूरे मन से पढ़े। कम समय में भी ध्यान लगाकर पढ़ा जाए तो चीजें जल्दी समझ में आती हैं, और और जो कुछ भी पढ़ा जाता है, वह लंबे समय तक दिमाग में याद भी रहता है। कम समय में ध्यान लगाकर पढ़ने से बच्चे को थकान भी कम होती है और पढ़ाई का प्रेशर भी कम होता है।

आत्मविश्वास बनाए रखना है

बहुत जरूरी

हर मोड़ पर बच्चे का आत्मविश्वास बना रहना सबसे ज़रूरी है। परीक्षा नजदीक आते ही कई बच्चे घबरा जाते हैं और अपनी तैयारी पर शक करने लगते हैं। ऐसे में पेरेंट्स का भरोसा और उनके पॉजिटिव वर्ड्स, बच्चों का आत्मविश्वास बनाए रखने में मदद करते हैं। और जब बच्चों में भरपूर आत्मविश्वास होता है तो वो परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करते हैं।

फिजिकल और मेंटल हेल्थ का ध्यान

पेरेंटिंग कोच का कहना है कि अच्छी सेहत के बिना कोई भी बच्चा अपना बेस्ट नहीं दे सकता। परीक्षा के दिनों में नींद पूरी होना, पौष्टिक खाना, हल्का व्यायाम और थोड़ा आराम बहुत जरूरी है। जब शरीर और मन दोनों ठीक हों, तब बच्चा तेजी से समझ पाता है और पढ़ी हुई चीजें अच्छी तरह याद रहती हैं। एक बैलेंस रूटीन से बच्चे के सीखने की कैपेसिटी भी बढ़ती है।

डाउट तुरंत पूछने की आदत डालें

पुष्पा शर्मा बताती हैं कि बच्चे अक्सर अपने सवालों को मन में दबाकर रखते हैं, जिससे बाद में समस्या बढ़ जाती है। ऐसे में वो पैरेंट्स को सलाह देती हैं कि बच्चों को खुलकर पूछने के लिए मोटिवेट करें। जितना जल्दी बच्चा अपना डाउट क्लियर करेगा, उतना आसान उसकी आगे की तैयारी होगी। यह आदत उसे पढ़ाई में तेज और आत्मविश्वासी बनाती है।

परिणाम की चिंता छोड़कर तैयारी पर भरोसा

कोच कहती हैं कि रिजल्ट की चिंता करने से बच्चा पढ़ाई पर ध्यान नहीं दे पाता। पेरेंट्स को यह बात बच्चों में भरोसे के साथ समझनी चाहिए कि उन्होंने जो पढ़ा है, वह काफी है। जब बच्चा परिणाम की जगह अपनी मेहनत पर भरोसा करना सीखता है, तो उसका प्रदर्शन नेचुरली बेहतर हो जाता है।

प्रेशर कम होने पर ही पढ़ाई में मन लगता है

पढ़ाई तभी सही तरीके से होती है जब बच्चा मानसिक दबाव में ना हो। पैरेंट्स को चाहिए कि घर का माहौल हल्का रखें और बच्चों को यह महसूस कराएं कि आपका प्यार और भरोसा उनके साथ है। जब बच्चा बिना डर और तनाव के बैठता है, तो उसकी याद रखने की क्षमता बढ़ती है और पढ़ाई आसान लगने लगती है।

शिशु को जल्दी डकार कैसे दिलाएं? नए माता-पिता के लिए आसान और असरदार टिप्स

शिशु को समय पर डकार दिलाना उसके पाचन और गैस की समस्या से राहत के लिए जरूरी है। सही पोजिशन, हल्का सहारा और कुछ आसान तकनीकें अपनाकर आप अपने बच्चे को जल्दी और आराम से डकार दिला सकते हैं।

नवजात शिशुओं के लिए डकार लेना बेहद जरूरी होता है, क्योंकि फीडिंग के दौरान वे दूध के साथ हवा भी निगल लेते हैं। यही हवा पेट में रुककर गैस, असहजता, रोना और उलझन पैदा कर सकती है। कई बार बच्चे सो भी नहीं पाते क्योंकि अटकी हुई गैस उन्हें परेशान करती रहती है। इसलिए शिशु को जल्दी माता-पिता के लिए जरूरी कौशल है। सही तकनीक और थोड़ी प्रैक्टिस के साथ यह प्रक्रिया आसान और तनावमुक्त हो सकती है। नीचे दिए गए टिप्स आपके बच्चे को जल्दी डकार दिलाने में काफी मदद करेंगे।

कंधे पर रखना : बच्चे को अपने कंधे पर हल्का उठाकर रखें जिससे उसका सिर आपके कंधे पर टिके। यह पोजिशन हवा को ऊपर लाने में सबसे प्रभावी मानी जाती है।

गोद में सीधा बैठाना : बच्चे को गोद में बैठाकर उसकी ठुड्डी को अपनी हथेली का सहारा दें, फिर पीठ को हल्के से रगड़ें। यह पोजिशन छोटे शिशुओं के लिए सुरक्षित है।

गोद में पेट के बल लिटाना : बच्चे को पेट के बल अपनी जांघ पर लिटाएं और उसकी पीठ पर हल्का मसाज करें। यह फँसी हुई गैस को नीचे से ऊपर लाने में तेजी से मदद करता है।

2. धीमी, रिदमिक थपकी दें

शिशु की पीठ पर तेज या जोरदार थपकी देना गलत है। हल्का, एक समान रिदम में थपकी देने से गैस धीरे-धीरे ऊपर उठती है।

गोलाकार गति में रगड़ना भी बहुत प्रभावी है।

ध्यान रहे, थपकी पूरे पीठ क्षेत्र में हो, सिर्फ एक जगह पर नहीं।

3. फीडिंग के दौरान छोटे ब्रेक लें

शिशु लगातार फीड के दौरान हवा निगल लेता है।

हर 5-7 मिनट बाद 20-30 सेकंड का ब्रेक लेकर डकार दिलाने की कोशिश करें।

इससे पेट में हवा कम जाएगी और बाद में डकार जल्दी आएगी। यह तकनीक खासकर बोतल से दूध पीने वाले बच्चों के लिए बहुत जरूरी है।

4. फीड के बाद बच्चे को अप राइट रखें

फीडिंग के तुरंत बाद बच्चे को लिटाना ठीक नहीं। 10-15 मिनट तक बच्चे को सीधा पकड़े रहने से हवा ऊपर आने में आसानी होती है।

यह स्थिति रिफ्लक्स और उल्टी के खतरे को भी कम करती है।

5. ओवरफीडिंग से बचें

बहुत भरा हुआ पेट डकार आने में रुकावट बनता है।

ओवरफीडिंग से हवा बाहर निकलने में मुश्किल होती है और बच्चा ज्यादा रोने लगता है।

छोटे-छोटे अंतराल में फीड देने से पाचन सुचारू रहता है और डकार जल्दी आती है।

6. शांत माहौल में फीड दें

रोते हुए या हिलते-डुलते हुए शिशु को फीड देने से वह हवा ज्यादा निगलता है।

शांत वातावरण में फीड देने से शिशु आराम से दूध पीता है और हवा कम निगलता है। इससे बाद में डकार दिलाना बेहद आसान हो जाता है।